उज्जैन
मंगलवार
15
सितम्बर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-312
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए 5 एकड़ में हाईटेक डोम

7 वेस्टइंडिज वनडे सीरीज में राहुल हो सकते हैं उपकप्तान

बिग बॉस-20 शो में मैरी कॉम के कमेंट से विवाद

सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल से अपनी तुलना कर खुद को बेहतर बताया, टीम को मांगनी पड़ी माफी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

5 बार वर्ल्ड चैंपियन रह चुकीं मैरी कॉम के बिग बॉस 20 में दिए गए एक कमेंट पर विवाद हो गया। शो के हालिया एपिसोड में मैरी कॉम ने सानिया मिर्जा और साइना नेहवाल जैसी पॉपुलर स्पोर्ट्स पर्सन से तुलना की और कहा कि उन जितना किसी महिला ने कभी देश के लिए नहीं किया। विवाद बढ़ा तो अब मैरी कॉम की टीम ने माफी मांगी है। दरअसल, एक एपिसोड में मैरी कॉम, को कंटेस्टेंट काजी तौकीर से बात करती दिखी। काजी ने उनसे पूछा कि वह जितनी बड़ी प्लेयर हैं क्या कोई दूसरी भी प्लेयर है। काजी ने साइना नेहवाल, सानिया मिर्जा, पी.टी.ऊषा का भी जिक्र किया, लेकिन तब मैरी कॉम लगातार खुद की बढ़ाई करती रहीं। कुछ देर बाद उन्होंने कहा, लेकिन मेरे जैसा किसी ने कुछ हासिल नहीं किया। इस पर काजी ने उनके साथ मस्ती की और उन्हें खड़े होकर सैल्यूट किया। एपिसोड ऑनएयर होने के बाद मैरी कॉम के बयान की जमकर आलोचना होने लगी।

देश

- केदारनाथ यात्रा मार्ग में लैंडस्लाइड, हजारों यात्री फंसे, एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन, सभी को सुरक्षित निकाला
- सोहागपुर-पिपरिया के बीच ओएचई लाइन टूटी, रेल संचालन प्रभावित, पिछले स्टेशनों पर रोकी ट्रेनें
- अजमेर-रांची-अजमेर के बीच स्पेशल ट्रेन ब्योहारी, कटनी, दमोह, सागर सहित पमरे के 10 स्टेशनों पर रुकेगी
- सीजेआई सूर्यकांत ने कहा न्यायपालिका जांच और आलोचना से दूर रहकर जनता का विश्वास नहीं जीत सकती
- ऑपरेशन सिंदूर में 314 किमी दूर से गिराया था पाकिस्तानी विमान, एयरफोर्स ने सिविल विमानों के बीच मिलिट्री प्लेन को पहचाना, एस-400 ने सटीक निशाना लगाया
- यूपी की आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा मंजूर, लिखा- प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो बढ़े चलो, 15 दिन पहले नौकरी छोड़ी थी

विदेश

- पाकिस्तान : बलूचिस्तान की कोयला खदान में गैस विस्फोट, 4 मजदूरों की मौत, 5 घायल
- अमेरिका में 50 मिनी इंडिया, पांच साल में 75 होंगे, ट्रम्प की सख्ती के बावजूद भारतीयों का 'अमेरिकन ड्रीम' कायम
- दावा-मोदी ने भारत में चीन-विरोधी गतिविधियां रोकने का भरोसा दिया, चीन बोला- दोनों देश साझेदार रहें, प्रतिद्वंद्वी नहीं, सीमा पर शांति पर भी सहमति
- सऊदी अरब में 11 करोड़ टन यूरेनियम वाला खनिज मिला, मदीना में रेयर अर्थ मिनरल्स भी मिले, परमाणु ऊर्जा पर बढ़ा सऊदी का फोकस

व्यापार

- आलू-प्याज के दाम के साथ फुटकर महंगाई भी बढ़ी, लगातार तीसरे महीने आरबीआई के अनुमान से ज्यादा रही, अगस्त में 4.82% पर पहुंची
- थोक महंगाई अगस्त में बढ़कर 9.92% पहुंची, 8 महीने में सबसे ज्यादा, खाने-पीने की चीजें, ईंधन महंगे होने का असर

कार्टून..

मुंबई के घाटकोपर पराग शाह का वीडियो वायरल, मुंबई में गंदे-मैले कपड़े पहनकर सड़क पर घूमे

3300 करोड़ के मालिक भाजपा विधायक भिखारी बने

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

मुंबई के घाटकोपर पूर्व से भाजपा विधायक पराग शाह का एक वीडियो वायरल है। इसमें वह भिखारी के वेश में घाटकोपर की सड़कों पर घूमते और लोगों से मदद लेते नजर आ रहे हैं।

शाह के अनुसार, उन्होंने यह प्रयोग किसी राजनीतिक कार्यक्रम या प्रचार के लिए नहीं किया। जैन धर्मगुरु राष्ट्रसंत नम्रमुनि महाराज की शिक्षाओं से प्रेरित होकर उन्होंने कुछ समय के लिए अपनी पहचान बदली। संपत्ति से दूरी बनाकर जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन अनुभव किया।

2024 के विधानसभा चुनाव के

हलफनामे के अनुसार, पराग शाह के पास 3,383 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। वह रियल एस्टेट कारोबारी हैं।

गुरु के कहने पर पराग ने एक्सपेरिमेंट किया

राष्ट्रसंत श्री नम्रमुनि महाराज साहेब ने एक कार्यक्रम में कहा कि, कौन मानता है कि मैं जहां कहीं जाता हूं मुझे हर कोई पहचानता है। किसी एक को ऐसा भ्रम था कि लोग हर जगह मेरी आवाज सुनकर मुझे पहचान लेंगे। मैं किसी भी हुलिए में हूं लोग मुझे पहचान लेंगे और घाटकोपर के लोग मुझे क्यों नहीं पहचानेंगे। फिर हमारे मन में एक विचार आया कि उन्हें भी अहसास दिलाएं कि दुनिया की वास्तविकता क्या है। आपके वैभव से आपकी पहचान होती है जब ये न हो तो वो खुद अपने अपार्टमेंट में जाए न तो वॉचमैन ही उसको बाहर निकाल देगा। आज आपको उसके बारे में यही वीडियो दिखाता हूं। जिसके बाद जैनमुनि ने पराग शाह का वीडियो चलाया।

पराग का अनुभव- कुछ ने मदद की, कुछ ने अनदेखा किया

शाह ने इस पूरे एक्सपेरिमेंट का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने बताया कि मेकअप और वेशभूषा बदलकर घाटकोपर रेलवे स्टेशन के आसपास आम लोगों के बीच समय बिताया। इस दौरान कई लोग उन्हें पहचान नहीं पाए। वीडियो में शाह सड़क किनारे बैठे और नागरिकों से मदद लेते दिखते हैं। कुछ लोगों ने उनकी सहायता की, जबकि कुछ ने अनदेखा कर दिया। शाह ने इस अनुभव के जरिए गरीबी, उपेक्षा और जरूरतमंद लोगों के प्रति समाज के व्यवहार को समझने की कोशिश की।

10 साल पहले सिंगर सोनू निगम ने भी किया था एक्सपेरिमेंट, भिखारी बने थे

मई 2016 में गायक सोनू निगम ने मुंबई के जुहू इलाके में भिखारी का भेष बनाकर सड़क किनारे गाने गाए थे। यह प्रयोग एक सोशल एक्सपेरिमेंट के लिए किया गया था। सोनू निगम ने साधारण कपड़े पहने और अपना चेहरा-हुलिया इस तरह बदला कि राहगीर उन्हें पहचान न सकें। वे सड़क किनारे बैठकर गिटार बजाते हुए गाने गाते रहे। इस दौरान कई लोग उनके पास से गुजरे, लेकिन अधिकांश लोग यह नहीं समझ पाए कि सड़क पर बैठा व्यक्ति देश का मशहूर गायक है।

हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना पर मप्र के दो आईएएस अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश में हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने और निर्धारित सुनवाई में उपस्थित नहीं होने के मामले में दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को आगामी 21 सितंबर को अदालत में पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए कमिश्नर और एसपी को आवश्यक कार्रवाई कर दोनों अधिकारियों को अदालत के समक्ष पेश कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, जिन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, उनमें प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल और आईएएस अधिकारी संदीप जीआर शामिल हैं। दोनों अधिकारियों को पूर्व में न्यायालय के आदेश के अनुपालन के संबंध में उपस्थित होना था, लेकिन वे

अदालत में पेश नहीं हुए। इसे हाईकोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के निर्देश दिए। हाईकोर्ट ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दोनों आईएएस अधिकारियों को 21 सितंबर को हर हाल में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। मामले में अब आगामी सुनवाई पर अधिकारियों की उपस्थिति और न्यायालय के आदेश के पालन को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

इंदौर-महू के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण मामला

इस पूरे मामले की खास बात यह है कि विवेक पोरवाल और संदीप जीआर दोनों अधिकारी महू में एसडीएम के पद पर रह चुके हैं। यही कारण है कि हाईकोर्ट की यह कार्रवाई इंदौर और महू के प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गई है। दोनों अधिकारियों ने अपने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान महू क्षेत्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। अब हाईकोर्ट द्वारा दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने और उन्हें 21 सितंबर को पेश कराने के निर्देश के बाद प्रशासनिक एवं कानूनी हलकों में मामले को लेकर विशेष नजर बनी हुई है।

2,000 रुपये तक यूपीआई पेमेंट पर कोई चार्ज नहीं लगेगा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को यूपीआई पेमेंट को लेकर स्थिति साफ कर दी। सरकार ने कहा कि 2,000 रुपये तक के यूपीआई पेमेंट पर बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर कोई डायरेक्ट या इनडायरेक्ट फीस नहीं लगा सकते। रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले पेमेंट को भी इस दायरे में रखा गया है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है, जब यूपीआई पर फीस लगने की चर्चा तेज थी।

अटकलों के बीच सरकार का आदेश, बड़े पेमेंट पर दुकानदारों से फीस ली जा सकती है

दरअसल, अगस्त में संसद ने टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पास किया था। इसके जरिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में बदलाव किया गया। इस बदलाव से सरकार को यह तय करने का अधिकार मिला कि किन डिजिटल पेमेंट पर फीस नहीं लगेगी। इसके बाद 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर फीस लगने की अटकलें शुरू हुईं। 14 सितंबर को वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर 2,000 रुपये तक के यूपीआई पेमेंट को फीस से सुरक्षित कर दिया। अब सवाल है कि 2,000 रुपये से ज्यादा के पेमेंट पर क्या होगा और इसका आम यूजर पर क्या असर पड़ेगा?

जिम ट्रेनर की फायरिंग कर हत्या

चार में से 2 गोलियां सिर में लगीं, हिमांशु भाऊ गैंग ने ली जिम्मेदारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली आया नगर में सोमवार सुबह एक जिम ट्रेनर विजय कुमार की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। दो बाइकों पर आए चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। विजय को चार गोलियां लगीं थीं, जिसमें से दो गोलियां उसके सिर में लगीं, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी।

इस हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर हिमांशु भाऊ के नाम से एक पोस्ट आई है। इसमें हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। पोस्ट में हिंदी में चेतावनी दी गई है- भागने से काम नहीं चलेगा, फील्ड में आओ। किसी को भागने नहीं दूंगा।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक,- पोस्ट में भाऊ गैंग और सिन्स-2020 लिखा है। पुलिस पोस्ट की जांच रही है कि इस दावे का हत्या से कोई संबंध है या नहीं।

किसी बच्चे को भेजकर विजय को बाहर बुलवाया था- विजय के चाचा देवेंद्र ने पुलिस को बताया कि विजय सुबह 5 बजे

जिम के लिए घर से निकला था। 10 बजे उन्हें जानकारी मिली कि विजय को किसी ने गोली मार दी। देवेंद्र ने आगे कहा कि हमलावर जानते थे कि जिम के पास सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। अपनी पहचान छिपाने के चलते ही उन्होंने एक बच्चे के जरिए विजय को जिम से बाहर बुलवाया। चार हमलवारों में से दो बाइक पर बैठे रहे, जबकि दो ने उस पर फायरिंग की।

आतंकियों को घाटी तक पहुंचाने में मदद करते थे, आईईडी भी जब्त

राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े 3 आतंकी मददगार अरेस्ट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ राजौरी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ओवरग्राउंट वर्कर नेटवर्क का खुलासा किया। इस मामले में सोमवार देर शाम आतंकियों के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजौरी के कोटचरवाल तेरीयाथ निवासी जाकिर हुसैन और मोहम्मद आजम और उधन गांव निवासी मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है। जांच के दौरान एक आरोपी की निशानदेही पर आईईडी भी बरामद किया गया है। पुलिस को शक है कि आतंकी समूह ने इसे सुरक्षित रखने या फिर टारगेटेड हमले में इस्तेमाल के लिए इन्हें दिया होगा।

आतंकियों के लिए गाइड की भूमिका निभाते थे- पुलिस के मुताबिक, आरोपी आतंकियों को लॉजिस्टिक मदद, सुरक्षित रास्ता और दूसरी जमीनी सहायता देते थे। वे आतंकी समूहों को कश्मीर घाटी तक पहुंचाने में गाइड की भूमिका निभाते थे।

पाकिस्तान ने मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारतीय संसद पर हमले के आरोपी जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख पाकिस्तानी रुपए कर दिया है। पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने आतंकियों की नई रेड बुक में अजहर को एक बार फिर भगोड़ा घोषित किया है। यह कार्रवाई अक्टूबर में होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की बैठक से पहले की गई। एफआईए ने अजहर को 2021 में भी भगोड़ा घोषित किया था और 50 लाख इनाम रखा था। मसूद अजहर भारत में संसद के अलावा 2016 पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 पुलवामा अटैक में भी आरोपी है। 24 दिसंबर 1999 को इंडियन एयरलाइंस का काठमांडू से दिल्ली आ रहे विमान का अपहरण कर लिया गया। विमान को पहले अमृतसर, लाहौर, दुबई और कंधार पहुंचाया गया। मसूद अजहर उस समय भारत की जेल में बंद था। वह हरकत-उल-अंसार से जुड़ा आतंकवादी था और 1994 में जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था।

जम्मू में एक अधिकारी ने बताया कि पीर पंजाल क्षेत्र में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ यह बड़ी सफलता है। जांच में सामने आया कि आरोपी गाइड के तौर पर काम करते थे। वे आतंकी समूहों को सुरक्षित तरीके से कश्मीर घाटी की ओर जाने में मदद करते थे। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी कई बड़े हमलों से जुड़े आतंकियों को जमीनी सहायता देने के भी संदिग्ध हैं। इनमें नागरिकों को निशाना बनाकर किया गया हमला भी शामिल है।

तीन दिन पहले डोडा में आतंकी का सड़ा शव मिला था

जम्मू-कश्मीर के डोडा में शनिवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक पाकिस्तानी आतंकी का शव मिला था। इसके पास से नाइट विजन वाली एम4 राइफल भी बरामद हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, एसओजी डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को सर्च के दौरान आतंकी के अवशेष मिले थे।

कैग रिपोर्ट में खुलासा : रेलवे स्टेशनों पर कुली बंद करा देते हैं एस्केलेटर, सीसीटीवी से रखी जाएगी नजर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

यात्रियों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर पहुंचने में परेशानी न हो इसके लिए रेलवे स्टेशनों पर एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन, अक्सर इनके बंद रहने की शिकायत आती रहती है।

पिछले माह संसद में भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक (कैग) की पेश की गई रिपोर्ट में भी एस्केलेटर बंद रहने पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कुलियों द्वारा जानबूझकर इसे बंद कराने की बात सामने आई है, जिससे कि यात्री उनकी सेवा लेने के लिए मजबूर हो जाएं। रेल मदद एप पर भी इस तरह के मामले सामने आए हैं। इसके बाद से स्टेशनों पर निगरानी बढ़ाई गई है।

और बढ़ाई जाएगी निगरानी और जांच

नई दिल्ली, आनंद विहार सहित सभी बड़े स्टेशनों पर काम करने वाले कुलियों पर भी नजर रखी जा रही है। गुप्त जांच की जा रही है। हाल ही में अधिक पैसे लेने वाले 13 लाइसेंसधारी कुलियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। त्योहार के दिनों में निगरानी और जांच और बढ़ाई जाएगी। 40 किलो तक के समान और 20 मिनट के लिए 140 रुपये शुल्क निर्धारित है।

एस्केलेटर के पास सीसीटीवी कैमरे नहीं

अधिक व्यस्त रेलवे स्टेशनों पर भी अक्सर एस्केलेटर बंद रहते हैं। लोग समझते हैं कि किसी खराबी के कारण ऐसा हुआ है। कई बार यह सही भी होता है, लेकिन यह एकमात्र कारण नहीं है। सही तरह से निगरानी नहीं होने का फायदा उठाते हुए कुली भी इसे बंद कर देते हैं। कैग रिपोर्ट में अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का उदाहरण देकर इसकी सच्चाई सामने लाई गई है। संबंधित रेलवे अधिकारियों ने भी यह स्वीकार किया है कि एस्केलेटर के चाबी के स्लाट के साथ छेड़छाड़ कर उसे बाधित कर देते हैं। कई स्टेशनों पर एस्केलेटर के पास सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से इसकी सही तरह से निगरानी नहीं होती है जिससे इस तरह के मामले सामने आते हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय एस्केलेटर बंद होने की शिकायत रेल मदद एप पर भी मिलते हैं। उत्तर रेलवे में स्टेशनों पर तैनात कर्मियों को एस्केलेटर और लिफ्ट संचालन पर निगरानी रखने को कहा गया है। यदि किसी तरह की खराबी से यह बंद होता है तो इसकी सूचना संबंधित अधिकारी को दी जाती है जिससे कि त्वरित समाधान किया जा सके। सभी स्टेशनों पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि एस्केलेटर और लिफ्ट सीसीटीवी कवरेज में रहे।

खबर एक नजर...

17 वर्षीय श्रेया ने बिना ड्रॉप के नीच में सफलता हासिल कर रचा कीर्तिमान

देवास। जिले के इकलेरा गांव की 17 वर्षीय बेटी श्रेया व्यास ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से परिवार के साथ-साथ पूरे गांव का नाम रोशन किया है। श्रेया ने कक्षा 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण करने के साथ ही नीट परीक्षा भी बिना किसी ड्रॉप के पहली ही कोशिश में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। श्रेया की इस उपलब्धि के बाद उसका चयन मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल में मेडिकल शिक्षा के लिए हुआ है। श्रेया की सफलता इसलिए भी खास है, क्योंकि उसकी दोनों बड़ी बहनें भी डॉक्टर हैं। अब परिवार की तीसरी बेटी के भी चिकित्सा क्षेत्र में कदम रखने से परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर छोटी उम्र में हासिल की गई इस उपलब्धि ने साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर मेहनत और सही दिशा में किए गए प्रयासों से बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। श्रेया की सफलता इकलेरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और विशेष रूप से बेटियों के लिए प्रेरणा का संदेश है। श्रेया की उपलब्धि पर परिवारजनों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उसे उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। एक ही परिवार की तीन बेटियों का चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़ना न केवल परिवार, बल्कि पूरे गांव के लिए गर्व का विषय है।

इंद्रेश अग्रवाल बने अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई के शहर अध्यक्ष

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के संभागीय सम्मेलन में इंद्रेश अग्रवाल को उज्जैन शहर युवा इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनकी यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल एवं प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र कावड़िया द्वारा की गई। मनोनयन की घोषणा के बाद उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने नवनियुक्त युवा शहर अध्यक्ष का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश मंत्री व उज्जैन विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष श्याम बंसल, शहर अध्यक्ष शैलेंद्र मित्तल, संभागीय अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, प्रदेश युवा इकाई अध्यक्ष विकास डागा और पराग काबरा विशेष रूप से मौजूद रहे। आरके बंसल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में अग्रवाल नवयुवक मंडल के सचिव दीपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आयुष चौधरी, उपाध्यक्ष प्रियेश अग्रवाल, संगठन मंत्री कृष्ण अग्रवाल, सह सचिव नितिन सिंघल और नवीन जैन भी उपस्थित थे। सभी ने इंद्रेश अग्रवाल को उनके नए दायित्व के लिए बधाई दी।

अलख धाम नगर में शुरू हुई शिव महापुराण की ज्ञान गंगा

उज्जैन। धार्मिक राजधानी और भगवान श्री महाकाल की पावन नगरी उज्जैन के अलख धाम नगर में सोमवार 14 सितंबर से श्री शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हो गया है। सात दिवसीय यह आयोजन 20 सितंबर रविवार तक चलेगा, जिसमें कथा व्यास पंडित अर्जुन गोतम के मुखारबिंद से श्रद्धालु शिव महिमा का श्रवण कर रहे हैं। श्री साईं हरिराम के पावन सानिध्य में यह धार्मिक आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक शहंशाह साईं पारू राम साहेब दरबार 272 अलख धाम नगर में आयोजित किया जा रहा है। कथा के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिव महिमा सुनने पहुंचे। इस आयोजन के यजमान अर्जुनदास भीमवानी, विष्णुदास भीमवानी, घनश्यामदास भीमवानी, केशवदास भीमवानी और गोरधनदास भीमवानी हैं। इस पुनीत अवसर पर समस्त भीमवानी परिवार सहित साध संगत उपस्थित रहकर धर्म लाभ ले रही है।

पर्यूषण पर्व में बाहर से आए विद्यार्थियों और नौकरीपेशाओं को मिलेगा शुद्ध भोजन

उज्जैन। पर्यूषण पर्व के अवसर पर बाहर से आकर उज्जैन में रहने वाले विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए फ्रीगंज दिगंबर जैन समाज ने निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की है। यह सुविधा फ्रीगंज स्थित आचार्य विद्यासागर अतिथि भवन में पर्व के पूरे 10 दिनों तक उपलब्ध रहेगी। ऐसे लोग जो घर पर भोजन नहीं बना पाते और जिन्हें मजबूरी में बाजार या होटल का खाना पड़ता है, उनके लिए यह विशेष पहल की गई है। यहां प्रतिदिन प्रातः 10 से दोपहर 12.30 बजे तक और शाम 5 से 6.15 बजे तक पूर्ण रूप से शुद्ध, सात्विक और मर्यादित भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। फ्रीगंज दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष धर्मेंद्र सेठी और सचिव राहुल जैन ने बताया कि पर्यूषण पर्व के दौरान बाहरी विद्यार्थियों और कर्मचारियों को शुद्ध भोजन की समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्हें बाजार का खाना न खाना पड़े, इसी उद्देश्य से इस वर्ष यह सेवा शुरू की गई है। मंदिर समिति ने ऐसे सभी विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों से इस व्यवस्था का लाभ लेने का आग्रह किया है।

दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा मूषकराज का आतंक

कहीं कार में घुसकर गंदगी, कहीं कपड़े कुतर रहे; रसोई की खाद्य सामग्री भी नहीं छोड़ रहे—ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने से लोग परेशान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गणेशोत्सव में भगवान गणेश की सवारी मूषकराज की पूजा-अर्चना हो रही है, वहीं दूसरी ओर शहर में असली चूहों का आतंक लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। शहर के कई इलाकों में चूहों की बढ़ती संख्या से लोग परेशान हैं। स्थिति यह है कि कहीं चूहे खड़ी कारों में घुसकर गंदगी कर रहे हैं तो कहीं घरों में रखे कपड़े और सामान कुतर रहे हैं। रसोई तक पहुंचकर खाद्य सामग्री को नुकसान पहुंचाने के मामले भी सामने आ रहे हैं।

कार से लेकर रसोई तक पहुंच रहे चूहे

लोगों का कहना है कि चूहे अब केवल नालियों, गलियों या कचरे के आसपास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि घरों और वाहनों में भी घुस रहे हैं। कई बार रातभर खड़ी कारों में घुसकर सीटों के नीचे और इंजन के आसपास गंदगी कर देते हैं। कुछ मामलों में वाहन के तार और अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचने की शिकायत भी सामने आती है। घरों में चूहे कपड़े, कागज, प्लास्टिक सहित कई सामान कुतर देते हैं। रसोई में रखी खाद्य सामग्री तक पहुंचने से सामान खराब होने के साथ स्वच्छता को लेकर भी चिंता बनी रहती है।

पिंजरे में पकड़ते हैं, फिर लौट आते हैं!

लोग चूहों को पकड़ने के लिए पिंजरे का सहारा भी लेते हैं। लेकिन परेशानी यह है कि पकड़े गए चूहों को शहर से बाहर अथवा किसी दूसरे स्थान पर छोड़ने के बाद वे दोबारा उसी क्षेत्र में लौट आते हैं। लोगों का कहना है कि चूहों के लिए भोजन और छिपने की पर्याप्त जगह उपलब्ध होने के कारण उनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने से हैरानी

चूहों की गतिविधियां अब केवल जमीन या निचली मंजिलों तक सीमित नहीं रह गई हैं। कई बहुमंजिला मकानों में रहने वाले लोगों का कहना है कि चूहे सीढ़ियों, पाइपलाइन, डक्ट और अन्य रास्तों से ऊपर की मंजिलों तक पहुंच जाते हैं। इससे परिवारों को विशेष रूप से परेशानी हो रही है।

गणेशजी अपने वाहन मूषकराज को समझाएं!

गणेशोत्सव के माहौल में लोग मजाकिया अंदाज में कह रहे हैं कि हे विघ्नहर्ता गणेशजी, आपके वाहन मूषकराज का शहर में कुछ ज्यादा ही आतंक बढ़ गया है, जरा इन्हें भी समझाइए! हालांकि समस्या अब केवल मजाक तक सीमित नहीं है। चूहों की बढ़ती संख्या से घरों, दुकानों और वाहनों को नुकसान होने के साथ खाद्य सामग्री की स्वच्छता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शहरवासियों की मांग है कि नगर निगम भी चूहों की बढ़ती संख्या को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाए, ताकि मूषकराज का यह बढ़ता आतंक लोगों के लिए परेशानी का कारण न बने।

क्या है उपाय? सफाई और रोकथाम पर देना होगा जोर

लोगों का कहना है कि चूहों को केवल पकड़कर दूसरे स्थान पर छोड़ने से स्थायी समाधान नहीं होगा। जहां चूहों को भोजन, पानी और छिपने की जगह मिलती रहेगी, वहां उनकी संख्या फिर बढ़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार घरों और दुकानों में खाद्य सामग्री बंद डिब्बों में रखना, कचरा खुले में नहीं छोड़ना, दीवारों-पाइपों के आसपास के छेद बंद करना तथा नियमित साफ-सफाई रखना जरूरी है। सामुदायिक स्तर पर नालियों, कचरा स्थलों और चूहों के संभावित ठिकानों की सफाई के साथ प्रभावी रॉडेंट कंट्रोल अभियान चलाया जाए तो समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

बड़ी कद-काठी के चूहे, बिल्ली भी घबराए!- शहर में इन दिनों सामान्य आकार के बजाय बड़ी कद-काठी वाले चूहे भी नजर आ रहे हैं। ये चूहे इंसानों से ज्यादा नहीं डरते, बल्कि कई बार सामने आने पर लोगों को ही पीछे हटना पड़ता है। स्थिति यह है कि घरों में चूहों को देखकर उन्हें भगाने वाली बिल्लियां तक उनसे घबराती नजर आती हैं। रात के समय अचानक सामने आ जाने वाले ये बड़े चूहे लोगों को डरा भी रहे हैं। बढ़ती संख्या और बेखौफ आवाजाही ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है।

जाने-अनजाने हुए दोष से मुक्ति के लिए ऋषि पंचमी का व्रत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर सनातन परंपरा में ऋषि पंचमी का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर महिलाएं आत्मशुद्धि और जाने-अनजाने में हुई त्रुटियों के लिए क्षमा याचना करते हुए सप्तऋषियों तथा महर्षि वशिष्ठ की पत्नी माता अरुंधती का विधि-विधान से पूजन करती हैं।

आत्मशुद्धि और क्षमा के भाव का पर्व

ऋषि पंचमी को आत्मशुद्धि और प्रायश्चित का पर्व माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार मनुष्य से जाने-अनजाने में हुई भूल, त्रुटि अथवा किसी के मन को ठेस पहुंचने जैसी बातों के लिए इस दिन सप्तऋषियों की आराधना कर क्षमा याचना की जाती है। सनातन परंपरा में क्षमा को विशेष महत्व दिया गया है। इसी भाव के साथ महिलाएं व्रत रखकर सप्तऋषियों और माता अरुंधती की पूजा करती हैं तथा सभी प्रकार के दोषों से मुक्ति की कामना करती हैं।
परंपरागत मान्यताओं में रजस्वला अवस्था के दौरान महिलाओं के लिए कुछ धार्मिक नियम बताए गए हैं। पवित्र स्थलों अथवा वस्तुओं का अनजाने में स्पर्श हो जाने को लेकर भी प्रायश्चित की धार्मिक परंपरा रही है। इसी प्रकार वाणी से किसी को ठेस पहुंचने या कटु शब्दों के कारण किसी की भावनाएं आहत होने पर भी क्षमा मांगने का भाव ऋषि पंचमी के पर्व से जुड़ा है। मान्यता है कि सप्तऋषियों का पूजन करने से ऐसे दोषों का शमन होता है और मनुष्य आत्मिक रूप से शुद्धि का अनुभव करता है।

आंधी झारे से स्नान, सप्तऋषियों का पूजन

ऋषि पंचमी पर व्रती महिलाएं आंधी झारे के साथ स्नान करने की परंपरा का पालन करती हैं। इसके बाद हल्दी और कुंकुम से मंडल बनाकर सप्तऋषियों एवं माता अरुंधती का पूजन किया जाता है। महिलाएं उपवास रखती हैं और धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन मुख्य रूप से मोरधन का सेवन किया जाता है।

इन सप्तऋषियों की होती है पूजा- ऋषि पंचमी पर जिन सप्तऋषियों का पूजन किया जाता है, उनमें कश्यप, अत्रि, गौतम, वशिष्ठ, विश्वामित्र, जमदग्नि और भारद्वाज शामिल हैं। इनके साथ माता अरुंधती की भी श्रद्धापूर्वक पूजा की जाती है।

---

16 वर्षों से गढ़ रहे ईको फ्रेंडली प्रतिमाएं, मोहम्मद रफी के नगमों से भी बनाई खास पहचान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर में एक निजी कंपनी के एरिया मैनेजर हरिश तिवारी ने इस वर्ष क्षिप्रा नदी की पवित्र मिट्टी से चार फीट ऊंची भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमा तैयार की है। कभी बचपन में मिट्टी की मूर्तियां बनाने पर मां की डांट खाने वाले हरिश पिछले 16 वर्षों से लगातार ईको-फ्रेंडली प्रतिमाएं बना रहे हैं। नौकरी के साथ-साथ अपनी कला और आस्था को सहेजने वाले हरिश ने अपनी इस अनूठी प्रतिभा से अलग पहचान बनाई है। हरिश की मूर्तिकला की सराहना वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी कर चुके हैं। जब डॉ. यादव मध्य प्रदेश के शिक्षा मंत्री थे, तब उन्होंने हरिश द्वारा बनाई गई गणेश प्रतिमा देखकर उनकी प्रतिभा की जमकर तारीफ की थी। प्रदेश के मुखिया से मिली वह प्रशंसा हरिश के लिए आज भी एक यादगार पल है। हरिश बताते हैं कि बचपन में जब वे मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमा बनाया करते थे, तो मां उन्हें पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कहकर डांटती थीं।

बिना बिकी रह गईं बहुत सी मूर्तियां

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर मे इस वर्ष विघ्नहर्ता की विभिन्न प्रकार की मूर्तियों की ढेर सारी दुकानें लगने से कुछ दुकानदारों को निराशा हाथ लगी और आर्थिक नुकसान भी हुआ है। सिंधी कालोनी चौराहा पर लगी कुछ दुकानों पर तो भारी संख्या मे गणेश मूर्तियां रात तक बगैर बिकी हुई नजर आई। ठीक ऐसी ही स्थिति फ्रीगंज बाजार की भी रही। शहर के पाश माने जानेवाले क्षेत्र मे बहुत सी दुकानों पर देर रात तक दुकानदार ग्राहकों की बांट जोहते रहे पर उन्हे निराशा ही मिली। गणेशजी को स्थापित करने का समय प्रातः से दोपहर तक ही रहता है। कामकाजी लोग शाम को भी गणेश मूर्ति क्रय करके प्रतिष्ठापित करते हैं किन्तु शाम के बाद तो मूर्तियां विक्रय होने के आसार कम ही होते हैं।

नाजुक होने से सालभर रखना समस्या

अधिकतर मूर्तियां पीओपी व मिट्टी की होने से बहुत ही नाजुक होती है और इनके खंडित होने का खतरा होता है इसलिए इन्हें वर्षभर सही सलामत रखना एक बडी समस्या है। नाम न छापने की शर्त पर दुकानदारों ने बताया मूर्तियों की मांग तो होती है किन्तु इस वर्ष बहुत अधिक दुकान होने से छोटे दुकानदारों को आर्थिक नुकसान हुआ है जिससे मन दुखित है।

मंगलध्वनि और जयघोष के साथ विराजे बप्पा

मालीपुरा से क्षीरसागर तक निकली शोभायात्रा, 25 सितंबर तक होंगे विविध आयोजन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महाराष्ट्र समाज द्वारा तिलक स्मृति मंदिर, क्षीरसागर स्थित समाज भवन में सोमवार को 12 दिवसीय पारंपरिक श्री गणेशोत्सव का उत्साह और भक्तिमय वातावरण में शुभारंभ हुआ। मालीपुरा स्थित रुद्र होटल से श्री गणपति बप्पा की प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से प्रतिमा की स्थापना की गई। समाज का यह गणेशोत्सव 25 सितंबर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

पारंपरिक वेशभूषा में शामिल समाजजनों ने ₹गणपति बप्पा मोरया₹ के जयघोष और मंगलध्वनि के साथ बप्पा की अगवानी की। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत और पूजन किया। तिलक स्मृति मंदिर पहुंचने पर पंडित अनिरुद्ध पुराणिक द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रतिमा की स्थापना कराई गई। गणेशोत्सव समिति के संयोजक चंद्रकांत फटाले ने मुख्य यजमान के रूप में सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। इसके पश्चात महाआरती कर समाज और नगर की सुख-समृद्धि, शांति तथा मंगल की कामना की गई।

बप्पा के मंगल आगमन के अवसर पर

महाराष्ट्र समाज के अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, सचिव विश्वास करहाडकर, कोषाध्यक्ष रविन्द्र वि मुले, वसंत आप्टे, प्रदीप जोग, गणेशोत्सव समिति अध्यक्ष संजय दिवटे, उपाध्यक्ष श्रीमती कीर्ति गुमास्ते व तुषार मुजुमदार, सचिव चंद्रकांत फटाले, कोषाध्यक्ष रविन्द्र अयाचित, अनिल देवलासे, पांडुरंग गुमास्ते, आदित्य गुमास्ते, अजय आगरकर, जगन्नाथ अष्टिकर, सुनील गर्गे और आलोक मोढ़े सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

संजय दिवटे ने बताया कि गणेशोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति व परंपराओं से जोड़ना और सामाजिक समरसता को और अधिक मजबूत करना है।

शहीदों की स्मृति में 551 पौधे लगाने का संकल्प

उज्जैन। पर्यावरण प्रेमी मंच ने अमर शहीदों की स्मृति में 551 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में बड़नगर रोड स्थित मां पीतांबरा बगलामुखी मंदिर और वसंत विहार के राम मंदिर परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान शहीद राजा भाऊ महाकाल सहित अन्य अमर शहीदों का स्मरण करते हुए पौधे रोपे गए। अजीत मंगलम ने बताया कि यह आयोजन महामंडलेश्वर श्री विजयानंद जी के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

गणेशोत्सव विशेष

मन की उद्विग्नता को शांत करने वाले स्थिरमन गणेश

षडविनायक मे से एक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन (पं. राहुल शुक्ल)

धार्मिक नगरी मे बाबा महाकालेश्वर के अतिरिक्त भी कई पौराणिक व धार्मिक महत्व के मंदिर विद्यमान हैं। गौरीनंदन गणेशजी के छः प्राचीन मंदिरों का वर्णन प्रसिद्ध ग्रंथ स्कंदपुराण के अवंतिखण्ड मे मिलता है। ये छः गणेश मंदिर पुराने शहर के योगीपुरा से लेकर अंकपात क्षेत्र मे स्थित हैं। छः विनायक मे त्रेतायुग से संबंधित अतिप्राचीन स्थिरमन गणेश मंदिर अंकपात मे गढकालिका माता मंदिर के समीप स्थित है। मंदिर मे गणेशजी की दो पाषाण प्रतिमाएं हैं जिनमे विशाल वाली स्थिरमन गणेश व छोटी मूर्ति चिन्ताहरण गणेश की है।

मंदिर के पुजारी राघवेन्द्र दास ने चर्चा मे बताया कि मंदिर का काल त्रेतायुग है जब वनवास के दौरान माता सीता बहुत अशांत रहने लगी थीं तो उनकी निराशा व उद्विग्नता को शांत करने के लिए भगवान रामचन्द्रजी ने सपत्नीक स्थिरमन गणेश की आराधना की थी और माता सीता को इससे लाभ हुआ था। वे पुनः उत्साह व ऊर्जा से पूर्ण हुई थीं। छोटी मूर्ति चिन्ताहरण के विषय मे जानकारी देते हुए पुजारी राघवेन्द्र बताते हैं कि चिन्ता को दूर रखने के अभिप्राय से लक्ष्मणजी ने चिन्ताहरण गणेशजी का पूजन किया था । निराशा, हताशा, अवसाद व चिन्ताओं के शमन हेतु दोनो गणपति की पूजा

पूर्ण श्रद्धा से की जाती है तो स्थिरमन व चिन्ताहरण गणेश कृपा करते हैं व निश्चित ही लाभ होता है।

परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों का हुजूम

पं राघवदास का कहना है कि आजकल के व्यस्त दौर मे अधिकांश लोग डिप्रेशन व एंग्जिटी के शिकार हो जाते हैं व मंदिर की जानकारी लगने पर स्थिरमन गणेश से शांति की कामना करते हैं। मनोकामना पूरी होने पर गणेशजी को चोला व लड्डू का प्रसाद चढाते हैं। इसी प्रकार परीक्षा के दौरान बहुत से छात्र छात्राएं स्थिरमन गणेश की आराधना करके मनौती मांगते हैं और पूर्ण होनेपर नेवैद्य अर्पित करते हैं।

मंदिर परिसर मे शमी का वृक्ष

गौरीनंदन को अतिप्रिय शमी का वृक्ष भी मंदिर परिसर मे स्थित है। शमी की पत्तियां गणेशजी को अर्पित करने का धार्मिक विधान है । शमी शुभता व पवित्रता का परिचायक माना जाता है। गणेशोत्सव के पूरे दस दिवस तक मंदिर मे प्रतिदिन अभिषेक, हवन व गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ होता है।

मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं का ही है शास्त्रोक्त महत्व

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गणेश जी की पूजन और स्थापना में शास्त्रोक्त महत्व मिट्टी से निर्मित मूर्ति का ही है। लोकमान्य तिलक गणेशोत्सव महाआयोजन समिति और विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों से मिट्टी की प्रतिमाओं को बढ़ावा देने का जो कार्य किया जा रहा है, वह स्वागत योग्य कदम है। लगातार मिट्टी से निर्मित गणेश जी की स्थापना करने वाली सभी उत्सव समितियां और आयोजक अभिनंदनीय हैं। यह बात जिला प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल ने स्थानीय चिमनगंज मंडी प्रांगण में सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों को गणेश जी की मूर्ति वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कही।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने कहा कि हमें सार्वजनिक आयोजनों में धार्मिक मयार्दाओं का पालन करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संकल्प दिलाया कि हम किसी भी प्रकार से धार्मिक महत्व को बनाए रखेंगे, मिट्टी से निर्मित मूर्तियों का ही पूजन करेंगे और पर्यावरण संरक्षण की अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

समिति के संयोजक एवं विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि नगर के नागरिकों द्वारा इस पूरे अभियान में मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा की स्थापना कर जो सहयोग दिया जा रहा है वह अद्भुत है।

उज्जैन
मंगलवार
15
सितम्बर, 2026

दैनिक ब्रह्मास्त्र

ज्ञातिभिर्वण्टयते नैव चोरेणापि न नीयते।
दाने नैव क्षयं याति विद्यारत्नं महाधनम्।।

अर्थः ज्ञान का रत्न (ज्ञान) एक महान धन है, जिसे विभाजित नहीं किया जा सकता है, जिसे चोर चोरी नहीं कर सकता, और जिसे देने से कम नहीं होता है।

खबर एक नजर...

आपत्तियां नजरअंदाज करना उम्मीदवारों के साथ अन्याय है

इंदौर। मप्र लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं की आंसर शीट को लेकर उम्मीदवारों की आपत्तियों पर हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने गंभीर टिप्पणी की है। न्यायालय ने कहा- यदि परीक्षार्थी प्रामाणिक पुस्तकों और सरकारी प्रकाशनों के आधार पर किसी उत्तर पर आपत्ति दर्ज कराता है तो आयोग को उसका स्पष्ट और तर्कसंगत जवाब देना चाहिए। केवल विशेषज्ञों द्वारा उत्तर तय किए जाने की बात कहकर आपत्तियों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। अभ्यर्थी नीरज श्रीवास्तव ने उत्तर कुंजी में दिए कुछ उत्तरों पर आपत्ति उठाई थी। उसका कहना था कि कुछ प्रश्नों के विकल्पों में सही उत्तर मौजूद नहीं था।

विभाग ने अंक क्रॉस चैक करने को कहा था, कॉलेजों ने टाल दिया

इंदौर। बॉण्ड सेवा के लिए गलत अंक भरकर ग्रामीण पोस्टिंग लेने के मामले में सामने आया है कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने 3 सितंबर को सभी सरकारी, निजी और स्वशासी मेडिकल कॉलेजों को पत्र जारी कर पोर्टल पर दर्ज जानकारी की दोबारा जांच के निर्देश दिए थे। आदेश में कहा गया था कि कुछ छात्रों के संबंध में मेरिट सूची में अनुचित लाभ लेने के उद्देश्य से गलत अंक भरने की शिकायत आई है। विभाग ने सभी कॉलेजों को 5 सितंबर दोपहर 12 बजे तक दर्ज जानकारी को क्रॉस चैक कर सुधार करने को कहा था। आदेश 1 में यह भी स्पष्ट किया था कि बॉण्ड चिकित्सकों को पदस्थापना आवंटित होने के बाद यदि किसी तरह की विसंगति सामने आती है, तो संबंधित संस्था के डीन (अधिष्ठाता) व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। इसके बाद भी कॉलेजों ने छात्रों द्वारा भरे गए अंकों को अंकसूचियों से क्रॉस चैक नहीं किया। इधर, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के छात्रों का कहना है कि विभाग के निर्देश के बाद कुछ छात्रों के अंक तो सुधारे गए, लेकिन गलत अंक दर्ज करने वाले सभी 19 छात्रों के रिकॉर्ड में सुधार नहीं किया गया।

हरतालिका तीज पर राजबाड़ा पर भक्ति की रात, चारों तरफ जयकारों की गूंज

इंदौर। हरतालिका तीज के पावन अवसर पर लोक संस्कृति मंच द्वारा आज राजबाड़ा पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। रात में शुरू हुए इस आयोजन में प्रसिद्ध भजन गायक गन्नू महाराज शिव-पार्वती की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दे रहे हैं। उनके साथ अन्य कलाकार भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रहे हैं। राजबाडा पर पूरे क्षेत्र की महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। लोक संस्कृति मंच के अध्यक्ष एवं सांसद शंकर लालवानी और संयोजक सतीश शर्मा ने बताया कि हरतालिका तीज महिलाओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखने वाला पर्व है। महिलाएं पति की दीर्घायु तथा युवतियां अच्छे वर की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। तीज के दिन शुरू होने वाला यह व्रत अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त में पूजन के बाद खोला जाता है। सांसद शंकर लालवानी भी यहां मौजूद रहे।

फ्लैट के नाम पर लोगों से रुपए ठगे, महिला ने 3 लोगों से कर दिया सौदा

इंदौर। लसूड़िया में एक महिला के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। महिला ने फ्लैट दिलाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपए ठगे गए थे। पुलिस ने जांच के बाद सोमवार को मामले में एफआईआर दर्ज की। लसूड़िया पुलिस ने रवि साहू, मनीषा मिश्रा और राजेंद्र की शिकायत पर साईं प्राइड होम कॉलोनी निवासी पूजा रामसिंह ठाकुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पूजा ने फ्लैट बेचने के नाम पर आवेदकों से अलग-अलग रुपए लेने के बाद उनके साथ अलग-अलग एग्रीमेंट कर दिए थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि पूजा ने रवि, मनीषा और राजेंद्र ठाकुर से रुपए लिए थे। इसमें मनीषा से 5 लाख रुपए, रवि से 2 लाख और राजेंद्र से भी 2 लाख रुपए लिए गए थे। वहीं, पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि पूजा ने बैंक से 17 लाख रुपए का लोन लिया था। उसके 15 लाख रुपए बाकी रहते हुए भी उसने तीन अलग-अलग लोगों को उस फ्लैट का सौदा कर दिया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पूरे मामले की जांच की। इसके बाद पूजा सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की गई।

होटल में ब्यूटीशियन ने पहले से फंदा तैयार रखा था

इंदौर। सोनिला ने पहले से फंदा तैयार कर रखा था और उसके सामने बैठी थी। वह मुझे पहले भी इस तरह डराती रही थी, इसलिए मुझे लगा कि इस बार भी वह ऐसा ही कर रही है। कारोबारी दीपक खंडेलवाल ने पुलिस को बताया कि सोनिला पहले से होटल में थी। कमरा उसी ने बुक किया था और वह अपने साथ बीयर लेकर आई थी। जब मैंने कमरे का दरवाजा खटखटाया तो सोनिला ने मुझे देखकर दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद मैं धक्का देकर कमरे में दाखिल हुआ। हम दोनों के बीच कुछ देर बहस हुई। वह अचानक फंदे पर लटक गई। सोनिला का शव बुधवार को तिलक नगर के एलेक्स होटल के कमरा नंबर 101 में मिला था। उसके साथ रुका दीपक खंडेलवाल सस्पेक्टेड था और घटना के बाद से गायब था। पुलिस जब उसकी पत्नी और बच्चों को थाने ले आई तो दीपक ने शुक्रवार को सरेंडर किया। उसने पुलिस को फोन कर अपनी लोकेशन बताई थी। पुलिस ने उसे बायपास से हिरासत में लिया था। बाद में एफआईआर दर्ज की गई। दीपक के मुताबिक वह नशे में था और घबरा गया। वह सोनिला को ठीक से नीचे नहीं उतार पाया। इसके बाद वह होटल से नीचे गया और कर्मचारियों को ऊपर लेकर आया। होटल स्टाफ की मदद से सोनिला को कार में अस्पताल ले जाया गया। दीपक ने पुलिस को बताया कि बातचीत के दौरान सोनिला अचानक फंदे पर लटक गई। उसका शरीर अचानक नीचे आ गया। दीपक के मुताबिक वह नशे में था और घबरा गया। वह उसे ठीक से नीचे नहीं उतार पाया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का कार्यक्रम सुपर कॉरिडोर मैदान पर

इंदौर में 17 को सवा घंटे रहेंगे, स्वामित्व योजना की करेंगे शुरूआत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 17 सितंबर को मध्य प्रदेश दौरे पर रहेंगे। वे दिल्ली से सीधे इंदौर पहुंचेंगे और सुपर कॉरिडोर स्थित मैदान में स्वामित्व योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वे योजना के कुछ लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से सर्टिफिकेट देंगे और इसके बाद संबोधित करेंगे। नबीन के इंदौर में करीब सवा घंटे से अधिक रुकने की संभावना है।

कार्यक्रम का स्वरूप सरकारी होने के बाद पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। वीआईपी मूवमेंट, सुरक्षा, ट्रैफिक, पार्किंग और भीड़ प्रबंधन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा संगठन भी बड़ी संख्या में कार्यकताओं और लाभार्थियों को कार्यक्रम स्थल तक लाने की व्यवस्था में जुटा है।

भाजपा नेताओं के मुताबिक सुपर कॉरिडोर का मैदान चुनने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना आसान है और कार्यक्रम के बाद सड़क मार्ग से नबीन के काफिले की आवाजाही भी सुगम रहेगी। दूसरा, कार्यक्रम में 50 हजार से ज्यादा लोगों के जुटने की संभावना है। मैदान बड़ा होने से यहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है। लोगों को लाने के लिए 1800 से ज्यादा बसों की व्यवस्था की जा रही है।

लाभार्थियों को देंगे सर्टिफिकेट, फिर संबोधन- कार्यक्रम में स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र की जमीन पर लोगों को मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को गति दी जाएगी। नबीन मंच से कुछ लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से सर्टिफिकेट प्रदान करेंगे। इसके बाद वे कार्यक्रम में मौजूद लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। आयोजन को लेकर मंच, बैठक, प्रवेश-निकासी और भीड़ प्रबंधन की तैयारियां की जा रही हैं।

सरकारी कार्यक्रम से प्रशासन की चुनौती बढ़ी- नबीन के कार्यक्रम का सरकारी स्वरूप होने से प्रशासन के सामने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की चुनौती बढ़ गई है। एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक रूट, वीआईपी सुरक्षा, ट्रैफिक डायवर्जन, पार्किंग, प्रवेश-निकासी और कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं पर पुलिस-प्रशासन तैयारी कर रहा है।

भाजपा संगठन और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच भी व्यवस्थाओं को लेकर समन्वय किया जा रहा है। आने वाले दिनों में कार्यक्रम स्थल पर मंच और बैठक व्यवस्था के साथ सुरक्षा इंतजामों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इंदौर के बाद नीमच और उज्जैन जाएंगे

नबीन 17 सितंबर को इंदौर के साथ नीमच और उज्जैन भी जाएंगे। नीमच के गांधी सागर अभयारण्य में चीतों को छोड़े जाने से जुड़े कार्यक्रम में उनके शामिल होने की संभावना है। इसके बाद उज्जैन में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रस्तावित दीपोत्सव में शामिल होंगे। उज्जैन में क्षिप्रा के घाटों और महाकाल लोक क्षेत्र में करीब 25 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने की तैयारी है। आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर किया जा रहा है।

भागवत भी 17-18 सितंबर को उज्जैन में

आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी 17 और 18 सितंबर को उज्जैन में रहेंगे। 17 सितंबर को उनका कोई सार्वजनिक कार्यक्रम प्रस्तावित नहीं है। 18 सितंबर को वे देवास रोड स्थित गीता भवन में युवा धर्म संसद में युवाओं से संवाद करेंगे। नबीन और भागवत के एक ही दिन मध्यप्रदेश में रहने से दोनों की मुलाकात को लेकर राजनीतिक चर्चा है, हालांकि फिलहाल ऐसी किसी मुलाकात का आधिकारिक कार्यक्रम सामने नहीं आया है।

राहुल गांधी के कार्यक्रम से दो दिन पहले नबीन का आयोजन

इंदौर में 19 सितंबर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके दो दिन पहले नबीन का बड़ा आयोजन होने से इसे राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है। राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए रीजनल पार्क के सामने आईडीए मैदान तय किया गया है और कांग्रेस औपचारिक अनुमति का इंतजार कर रही है। दोनों दलों के बड़े आयोजनों को देखते हुए अगले कुछ दिनों में पुलिस-प्रशासन की सक्रियता बढ़ेगी।

मंदिर प्रबंधन समिति ने पहली बार कराया इतना बड़ा इश्योरेंस, सुरक्षा व्यवस्था के भी हैं पुख्ता इंतजाम

खजराना गणेश मंदिर में भक्तों का 20 करोड़ का बीमा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में 10 दिवसीय गणेशोत्सव के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर प्रबंधन समिति ने पहली बार 20 करोड़ रुपए की पब्लिक लायबिलिटी इंश्योरेंस पॉलिसी कराई है। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए बीमा को सुरक्षा व्यवस्था के अतिरिक्त कवच के तौर पर लिया गया है।

पॉलिसी के तहत गणेशोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को निर्धारित नियम और शर्तों के अनुसार बीमा सुरक्षा मिलेगी। किसी दुर्घटना, अप्रिय घटना या जनहानि की स्थिति में पॉलिसी के प्रावधानों के मुताबिक बीमा कंपनी की ओर से भुगतान किया जा सकेगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष और कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि इस बार श्रद्धालुओं का बीमा कराया गया है। इसकी क्लेम राशि 20 करोड़ रुपए रहेगी। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश से यही प्रार्थना है कि इसकी जरूरत न पड़े। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पहले करीब 2 करोड़ का था बीमा

मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित अशोक भट्ट ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि भगवान गणपति की कृपा से बीमा सुविधा का उपयोग करने की स्थिति न आए, यही कामना है। उन्होंने बताया कि मंदिर में पहले भी इंश्योरेंस कराया जाता था, लेकिन उस समय करीब 2 करोड़ रुपए का बीमा रहता था। इस साल पहली बार बीमा राशि बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए की गई है।

सीसीटीवी से निगरानी पुलिस और गार्ड भी बढ़ाए

गणेशोत्सव के 10 दिनों में खजराना गणेश मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। दर्शन व्यवस्था के साथ सुरक्षा के लिए भी अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। पुलिस बल के साथ सुरक्षा गार्डों की संख्या भी बढ़ाई गई है। मंदिर समिति के मुताबिक श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने के साथ भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इंदौर में गणेश जुलूस में नाबालिगों पर चाकू से हमला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

आजाद नगर इलाके में गणेश उत्सव के जुलूस के दौरान सोमवार रात चाकूबाजी हो गई। इसमें दो नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से 16 वर्षीय कृष्णा पंवार की देर रात उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका साथी साहिल आईसीयू में भर्ती है। पुलिस ने एक आरोपी को नामजद कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हत्याकांड में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आजाद नगर टीआई लोकेश भदौरिया के मुताबिक देर रात एमवाय अस्पताल से सूचना मिली थी कि असरावद खुर्द निवासी कृष्णा (16) पिता शेरू पंवार और उसके साथी साहिल पिता रमेश कजोले को चाकू मारे गए हैं। अस्पताल में उपचार के दौरान कृष्णा की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दोनों नाबालिग गणेश उत्सव के जुलूस में शामिल होने तेजाजी नगर से आजाद नगर आए थे। इलाके में एक साथ 9 से ज्यादा डीजे वाहन निकल रहे थे। दोनों जयदीप डीजे की गाड़ी के पीछे नाच रहे थे। इसी दौरान उनका कुशाल उर्फ कुणाल नाम के युवक से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने चाकू से कृष्णा की छाती पर वार कर दिया। वह जमीन पर गिर गया। कृष्णा को बचाने के लिए साहिल आगे आया तो आरोपी ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां कृष्णा की मौत हो गई। साहिल का आईसीयू में उपचार चल रहा है।

बिस्तर पर मिला 11वीं के छात्र का शव

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित नया बसेरा में रविवार देर शाम 11वीं कक्षा के छात्र उदय खोकरे (16) का शव घर में बिस्तर पर मिला। उसके गले में फंदा बंधा हुआ था। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए उसके पिता विजय को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है। रविवार शाम उदय की बड़ी बहन आयुषी काम से घर लौटीं तो दरवाजा अटका हुआ था। अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि उदय कमरे में बिस्तर पर अचेत पड़ा था और उसके गले में फंदा बंधा था। आयुषी ने मां और बड़े भाई को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

परिजनों के मुताबिक, उदय चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। रविवार शाम उसकी बड़ी बहन ने उससे बाहर घूमने चलने के लिए कहा था, लेकिन उदय ने दो दिन बाद टेस्ट होने और पढ़ाई करने की बात कहकर जाने से इनकार कर दिया था। परिवार में मां, बड़ा भाई और सबसे बड़ी बहन आयुषी काम पर जाते हैं। रविवार को सभी घर से बाहर थे। उदय के दोस्तों ने पुलिस को बताया कि वह पिछले दो दिनों से इंस्टाग्राम स्टोरी पर सैड स्टोरी यानी उदास पोस्ट शेयर कर रहा था। पुलिस आत्महत्या के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल पर फंदा निकला हुआ मिलने और दरवाजा अटका होने से पुलिस ने मामले को संदिग्ध माना। इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए। इसमें उदय के पिता विजय घर से बाहर निकलते दिखाई दिए। पुलिस ने विजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। विजय ने बताया कि वे शाम को कुछ देर के लिए घर पहुंचे थे। उस समय बेटा फंदे पर लटका हुआ था। उन्होंने चाकू से रस्सी काटकर उदय को नीचे उतारा, बिस्तर पर लिटाया और फिर घर से बाहर चले गए।

फेयरफील्ड के स्टोर में मिले कॉकरोच;खजराना में गंदे फर्श पर बन रहे थे लड्डू, सैंपल लिए

इंदौर में होटलों-खजराना मंदिर में खाद्य विभाग की जांच

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

गणेश चतुर्थी के मौके पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने शहर के प्रमुख होटलों और श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में सघन जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, रसोई की स्वच्छता, भंडारण, तापमान नियंत्रण और खाद्य निर्माण प्रक्रिया की जांच की गई। टीम ने अलग-अलग प्रतिष्ठानों से 31 खाद्य नमूने लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। सबसे गंभीर स्थिति फेयरफील्ड बाय मैरियट के स्टोर रूम में सामने आई। निरीक्षण के दौरान यहां कॉकरोच मिले। खाद्य पदार्थों की सुरक्षा के लिहाज से इसे स्वच्छता संबंधी गंभीर कमी माना गया। इसके अलावा शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों का स्टोरेज एक साथ पाया गया।

लगभग सभी कूड़ेदान खुले मिले और गीले-सूखे कचरे का अलगाव भी उचित तरीके से नहीं किया जा रहा था। बुफे में कई तैयार खाद्य पदार्थ बिना ढके रखे मिले। इससे बाल, धूल अथवा अन्य माध्यमों से खाद्य पदार्थों के दूषित होने की आशंका जताई गई। स्टोरेज रूम में कच्ची खाद्य सामग्री के पैकेट पर आसानी से हटाए जा सकने वाले लेबल भी मिले। पानी की जांच

रिपोर्ट में कीटनाशक अवशेष और भारी धातुओं की जांच भी शामिल नहीं थी। यहां तुअर दाल, पनीर और सूखे नारियल के चूरे के तीन नमूने लिए गए।

इन्फिनिटी होटल में भी कई कमियां- रिंग रोड स्थित इन्फिनिटी होटल से पनीर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और मूंग मोगर के चार नमूने लिए गए। यहां दो प्रशीतक यंत्रों में तापमान निगरानी उपकरण नहीं मिला। अंशांकन रिकॉर्ड और खाद्य संचालकों के स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध नहीं थे। खाद्य सामग्री के भंडारण में पहले आया, पहले इस्तेमाल की व्यवस्था का प्रभावी पालन नहीं मिला। कच्ची सामग्री और तैयार खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट भी मौके पर उपलब्ध नहीं थीं।

खजराना में गंदे फर्श पर बन रहे थे लड्डू

श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में प्रसाद के करीब 8 से 10 थोक और फुटकर काउंटरों का निरीक्षण किया गया। विक्रेताओं को खाद्य लाइसेंस स्पष्ट स्थान पर प्रदर्शित करने और प्रसाद में अनुमत मात्रा में ही खाद्य रंग इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए। प्रसाद निर्माण से जुड़े एकदंत प्रसाद भंडार में लड्डू प्रसाद का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में होता मिला। फर्श गंदे थे, खाद्य लाइसेंस प्रदर्शित नहीं था और कच्ची सामग्री का भंडारण भी व्यवस्थित नहीं पाया गया। इसी प्रकार भालचंद्र प्रसाद भंडार में भी प्रसाद निर्माण और लड्डू बनाने का स्थान साफ-सुथरा नहीं मिला। फर्श चिपचिपे, तेलयुक्त और गंदे थे। कर्मचारी लड्डू निर्माण क्षेत्र में चप्पल पहनकर आते-जाते पाए गए। कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत नहीं किए गए। विभिन्न प्रसाद विक्रेताओं और निर्माण प्रतिष्ठानों से मोतीचूर लड्डू, बेसन लड्डू और मोदक समेत करीब 8 नमूने लिए गए।

श्रीमाया होटल में पानी की रिपोर्ट अधूरी- एबी रोड स्थित श्रीमाया होटल की रसोई और खाद्य भंडारण व्यवस्था साफ-सुथरी मिली। तापमान नियंत्रण और उपकरणों का अंशांकन भी उचित पाया गया। यहां पनीर, भुनी मूंगफली, पाव भाजी मसाला और मीट मसाला के चार नमूने लिए गए। हालांकि, पानी की जांच रिपोर्ट में कीटनाशक अवशेष और भारी धातुओं की जांच शामिल नहीं थी।

---

1 लाख के बैठने की क्षमता, उत्तर दिशा में होगा मंच, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नो एंट्री

राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए 5 एकड़ में हाईटेक डोम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर दौरे से पहले छात्रों की गूंज कार्यक्रम स्थल पर तैयारियां तेज हो गई हैं। करीब 5 एकड़ क्षेत्र में हाईटेक वॉटरप्रूफ डोम तैयार किया जा रहा है।

कांग्रेस का दावा है कि इसमें करीब एक लाख छात्रों के बैठने की क्षमता होगी। इसे इंदौर में अब तक तैयार किए गए बड़े डोम में से एक बताया जा रहा है।

सबसे खास है कि यहां 1 लाख युवाओं के बैठने की क्षमता है। राहुल का मंच उत्तर दिशा में होगा। वहीं आयोजन में कांग्रेस कार्यकताओं की एंट्री नहीं है। बारिश के कारण फिलहाल कार्यक्रम स्थल पर कीचड़ की स्थिति है। इसके बावजूद तैयारियां लगातार जारी हैं। मैदान को कार्यक्रम के लिए तैयार करने के लिए बड़े पैमाने पर मिट्टी डाली जा रही है और जमीन को समतल किया जा रहा है। बारिश की संभावना को देखते हुए डोम की संरचना और अन्य इंतजाम भी उसी हिसाब से किए जा रहे हैं, ताकि कार्यक्रम में आने वाले छात्रों को परेशानी न हो। कार्यक्रम स्थल पर करीब ढाई लाख वर्गफीट क्षेत्र में डोम लगाने की तैयारी है। डोम का सामान बड़े ट्रकों के जरिए लगातार मौके पर पहुंच रहा है। बताया गया कि इसके लिए भोपाल से सामग्री मंगाई जा रही है।

बारिश के बीच मजदूरों और तकनीकी टीमों ने काम संभाल रखा है। एक ओर मैदान में मिट्टी डालकर उसे मजबूत और समतल किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर डोम की संरचना खड़ी करने का काम चल रहा है।

दिल्ली की टीम संभाल रही तैयारियों की कमान- कार्यक्रम की तैयारियों के लिए दिल्ली से टीम इंदौर पहुंची है। यह टीम डोम, मंच, मैदान के लेआउट और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर दिशा-निर्देश दे रही है। तैयारियों की निगरानी में स्थानीय संगठन के बजाय दिल्ली से आई टीम की भूमिका प्रमुख है। डोम की डिजाइन से लेकर कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं से जुड़े कई फैसले इसी टीम की निगरानी में लिए जा रहे हैं।

उत्तर दिशा में बनेगा राहुल गांधी का मंच

कार्यक्रम स्थल के लेआउट के मुताबिक राहुल गांधी का मंच उत्तर दिशा में तैयार किया जा रहा है। कांग्रेस के मुताबिक मंच तक नेताओं और कार्यकर्ताओं की सामान्य आवाजाही नहीं होगी। मैदान में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एंट्री प्रतिबंधित रहेगी। कांग्रेस का कहना है कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम को राजनीतिक सभा के तौर पर आयोजित नहीं किया जा रहा है और इसमें मुख्य फोकस छात्रों पर रहेगा।

पीछे के रास्ते से मंच तक पहुंचेंगे राहुल

छात्रों के लिए मुख्य प्रवेश रीजनल पार्क की ओर से रखा गया है। वहीं राहुल गांधी के मंच तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता बनाया जा रहा है। वे पीछे के रास्ते से सीधे मंच तक पहुंचेंगे। इस रास्ते पर राहुल गांधी की कार के अलावा किसी अन्य वाहन को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए वीआईपी मूवमेंट को छात्रों की आवाजाही से अलग रखने की तैयारी की जा रही है।

खबर एक नजर...

छात्रसंघ चुनाव कराने उच्च शिक्षा मंत्री से मिले अभाविप पदाधिकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में छात्रसंघ चुनाव बहाल कराने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से मुलाकात की। प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जल्द छात्रसंघ चुनाव कराने सहित शासकीय कॉलेजों में मूलभूत सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारने की मांग को लेकर मंत्री को ज्ञापन सौंपा। अभाविप ने ज्ञापन में कहा कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2017 से छात्रसंघ चुनाव बंद हैं। इसके कारण प्रदेश के लाखों विद्यार्थी परिसरों में अपने लोकतांत्रिक प्रतिनिधि चुनने के अधिकार से वंचित हैं। परिषद ने कहा कि वह लंबे समय से उच्च शिक्षण संस्थानों में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल करने और विद्यार्थियों को नेतृत्व का अवसर देने के लिए छात्रसंघ चुनाव की मांग करती रही है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ओर से भी परिसरों में छात्रसंघ चुनाव कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। सरकार ने सितंबर में चुनाव कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक चुनाव की आधिकारिक अधिसूचना और चुनाव कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

सतना में छात्रा पिटाई केस की जांच तेज:पांचों के मोबाइल जब्त

सतना। सतना के कोलगवां थाना क्षेत्र में नगर वन के पास छात्रा की पिटाई और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। सोमवार को पुलिस ने केस में आरोपी बनाई गई चार छात्राओं के साथ छात्र श्रवण सेन को भी थाने बुलाकर पूछताछ की। पुलिस ने पांचों के मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को चारों आरोपी छात्राओं और छात्र श्रवण सेन से कोलगवां थाने में पूछताछ की गई। इस दौरान साइबर सेल की टीम भी मौजूद रही। पुलिस ने घटना से जुड़े वीडियो, मोबाइल डेटा, चैट और सोशल मीडिया पर वायरल हुई सामग्री को लेकर जानकारी जुटाई। पूछताछ के बाद सभी के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन इसलिए जब्त किए हैं, ताकि घटना से संबंधित डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा सके। पुलिस के अनुसार, जब्त किए गए सभी मोबाइल फोन फोरेंसिक लैब भेजे जाएंगे। इनमें डिलीट किए गए वीडियो, चैट और अन्य डेटा को रिकवर करने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि डिजिटल डेटा से घटना के दौरान की गतिविधियों और वीडियो वायरल किए जाने से जुड़े तथ्यों की जांच में मदद मिल सकती है। एफआईआर में छात्र श्रवण सेन का नाम सामने आने के बावजूद उसके खिलाफ अभी अलग से केस दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में तथ्यों की जांच जारी है। जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरएसएस कार्यालय में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

सतना। सतना जिले के उचेहरा में शासकीय हाई स्कूल के पीछे स्थित आरएसएस कार्यालय में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपी रात में बाउंड्री कूदकर कार्यालय में घुसा और ताला तोड़कर गैस सिलेंडर, एलईडी लाइट और बर्तन चोरी कर ले गया। पुलिस ने वार्ड क्रमांक-6 निवासी पवन कुमार उर्फ लल्लू ताम्रकार (30) को गिरफ्तार कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। शनिवार-रविवार की रात अज्ञात चोर ने आरएसएस कार्यालय का ताला तोड़कर सामान चोरी कर लिया था। नगर कार्यवाह हरिकिशन जायसवाल की शिकायत पर उचेहरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिरों से जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पवन ताम्रकार पर शक हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

बाइक का पायदान टूटा, सड़क पर गिरी महिला की मौत

छतरपुर। छतरपुर जिले के नौगांव में अलीपुरा के पास चलती मोटरसाइकिल का पायदान टूटने से 35 वर्षीय महिला सड़क पर सिर के बल गिर गई। हादसे में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पीछे से आ रही पीएनसी की एंबुलेंस के ड्राइवर ने महिला को सड़क पर पड़ा देखा और तत्काल सिविल अस्पताल नौगांव पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। टीकमगढ़ जिले के मेंदवारा गांव निवासी अरुण विश्वकर्मा छतरपुर में मजदूरी करते हैं। सोमवार को वे अपनी पत्नी धनबती, 12 वर्षीय बेटी सिजल और 7 वर्षीय बेटे दिव्यांश के साथ बाइक से मेंदवारा जा रहे थे। अलीपुरा के पास अचानक बाइक का पायदान टूट गया। इससे बाइक पर बैठी धनबती का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर सिर के बल गिर गई।

धनबती के सिर में गंभीर चोट आई और वह सड़क पर पड़ी रही। इसी दौरान पीछे से आ रही पीएनसी की एंबुलेंस के चालक की नजर उस पर पड़ी। उसने तत्काल एंबुलेंस रोककर महिला को सिविल अस्पताल नौगांव पहुंचाया। अरुण और दोनों बच्चे भी अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद धनबती को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिवार सदमे में आ गया।

पहले एक भाई कुएं में गिरा, बचाने में तीन और फिसले; 4 की डूबने से मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ अशोकनगर

अशोकनगर के चंदेरी के विक्रमपुर गांव में सोमवार को खेत में खेलने निकले चार सगे भाइयों की बिना मुंडेर के पुराने कुएं में डूबने से मौत हो गई। पहले एक भाई कुएं में गिरा और उसे बचाने की कोशिश में तीनों भाई भी फिसलकर कुएं में गिर गए।

सुनसान जगह होने से किसी को हादसे की जानकारी नहीं लगी। दोपहर में परिजन बच्चों को तलाशते हुए खेत पहुंचे तो कुएं में चारों के शव मिले। मरने वालों में देव, त्रिवेद, महादेव और प्रियांशु है।

बलवीर कुशवाह के खेत में पुराना कुआं है, जिसमें करीब 5-6 फीट पानी था। बच्चों के काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। कुएं में एक बच्चे का शव दिखाई दिया। उसे बाहर निकालने के बाद तीन और शव मिले।

हादसे के समय मां मायके, पिता मजदूरी पर

बच्चों के पिता मजदूरी के लिए गए थे और मां रिश्तेदार के निधन के कारण मायके गई थीं। घर पर चारों बच्चे थे। सूचना पर तहसीलदार दिलीप दरोगा और थाना प्रभारी प्रशांत यादव पुलिस बल के साथ पहुंचे। चारों शव चंदेरी सिविल अस्पताल भेजे गए, जहां पोस्टमार्टम हुआ।

खेत के बराबर था कुआं...

कुएं पर मुंडेर नहीं है। यह खेत के बराबर में होने से दूर से कुएं जैसा दिखाई भी नहीं देता। इसी से बच्चे हादसे का शिकार हुए।

नदी में हीरे तलाशने पहुंचे सैकड़ों लोग, भीड़ को यहां से खदेड़ा

पन्ना। बारिश में नदियों से निकलने वाली चाल में हीरे तलाशने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इस वर्ष भी विश्रामगंज रेंज के रुंझ डेम डूब क्षेत्र के पास नदी में करीब 4 से 5 हजार लोगों के पहुंचने की सूचना पर वन विभाग ने कार्रवाई की। यहां बांदा, छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़ सहित बुंदेलखंड के आसपास के गांवों से लोग आकर डेरा जमाए हुए थे। कई लोगों ने नदी किनारे अस्थायी टेंट भी लगा रखे थे। उत्तर वनमंडलाधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी विश्रामगंज राहुल सिंह सिकरवार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग ने लोगों को समझाइश देकर क्षेत्र से हटा दिया और अवैध गतिविधि रोकने की कार्रवाई की। विभाग के अनुसार यह क्षेत्र वन्यप्राणियों की मौजूदगी वाला है।

अनूठी पहल.. बंटी 351 तुलसी बीज युक्त मिट्टी की प्रतिमाएं

प्रजापति कुंभकार महासंघ का आठवां गणेश महोत्सव संपन्न, प्रतिमा विसर्जन के बाद खिलेगा तुलसी का पौधा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ जिला इकाई द्वारा तिलकेश्वर चौराहे पर आठवां गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए स्व. कंचन बाई प्रजापत और स्व. मुकेश प्रजापत की स्मृति में 351 तुलसी बीज युक्त मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं का निःशुल्क वितरण किया गया। इन ईको-फ्रेंडली प्रतिमाओं की विशेषता यह है कि विसर्जन के समय इन्हें गमले में प्रवाहित करने पर ये तुलसी के पौधे के रूप में विकसित हो जाएंगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ संत श्री रामनाथ जी महाराज और अन्य अतिथियों द्वारा श्री श्री यादे माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया। यह आयोजन जिलाध्यक्ष प्रकाश प्रजापति के नेतृत्व और प्रदेश प्रवक्ता गुलाब प्रजापति के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। महासंघ के युवा उपाध्यक्ष शंकर प्रजापति ने बताया कि संस्था द्वारा लगातार आठ वर्षों से हर साल अलग-अलग स्थानों पर निशुल्क मिट्टी की

प्रतिमाएं वितरित की जा रही हैं। आयोजन के संयोजक युवा सचिव हेमंत प्रजापति रहे।

महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर संत श्री रामनाथ जी महाराज, मप्र कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष व समाजसेवी नारायण यादव, महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छगनलाल चक्रवर्ती, राष्ट्रीय महासचिव सीए मनोज प्रजापति, उज्जैन कुश्ती संघ अध्यक्ष उमेश ठाकुर और भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव शामिल हुए। इनके अलावा भाजपा ग्रामीण उपाध्यक्ष दिलीप प्रजापत, क्षेत्रीय पार्षद गब्बर भाटी, जीवाजीगंज मंडल अध्यक्ष प्रतीक गेहलोद, वरिष्ठ समाजसेवी राजाराम यादव, महासंघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष राधाकिशन प्रजापत, महिला अध्यक्ष मधु प्रजापत, जिला संरक्षक व पूर्व कुश्ती चैम्पियन मुकेश प्रजापत तथा दुगार्शंकर प्रजापत विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों का मालवा की परंपरा के अनुरूप साफा एवं आकर्षक दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। स्वागत करने वालों में युवा साथी राजेश प्रजापत, राजेंद्र प्रजापत, जिला उपाध्यक्ष बेनी प्रसाद प्रजापत, जिला महामंत्री दीपक प्रजापत महामंगल, विधि सलाहकार मनोहर पाडल्या, आध्यात्मिक विभाग प्रमुख हरिनारायण प्रजापत, भेरूलाल प्रजापत, राजू पटेल, सुनील प्रजापत, महेश प्रजापत और राधेश्याम प्रजापत शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार युवा सचिव दिनेश प्रजापति ने माना।

पीपीपी वाले 9 मेडिकल कॉलेजों को नहीं मिले निवेशक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

प्रशासनिक सुस्ती और नीतिगत विरोधाभास के कारण प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार पूरी तरह अटक गया है। एक तरफ 1521 करोड़ से दमोह, छतरपुर और बुधनी में बने मेडिकल कॉलेजों की इमारतें खड़ी हैं और डीन भी पदस्थ हैं, लेकिन नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) की जांच में मिली कमियां दूर नहीं की गईं।

अयोग्य घोषित होने के बाद न तो दोबारा आवेदन हुआ, न फैकल्टी भर्ती पूरी हुई और न फर्नीचर खरीदा गया; नतीजतन इस सत्र भी 300 एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश बंद रहा।

दूसरी तरफ, 13 जिलों में प्रस्तावित पीपीपी मॉडल भी फ्लॉप साबित हुआ, जहां टेंडर के बावजूद 9 जिलों में एक भी निजी निवेशक नहीं आया और केवल 4 में बाउंड्रीवॉल का काम शुरू हो सका। तैयार सरकारी कॉलेजों को शुरू करने के बजाय उन्हें भी पीपीपी मोड में धकेलने की नीतिगत उधेड़बुन ने प्रदेश में डॉक्टरों की नई पौध पर ब्रेक लगा दिया है।

दमोह, छतरपुर और बुधनी में मेडिकल कॉलेज की इमारतें तैयार हैं। डीन और सीनियर रेजिडेंट्स पदस्थ किए जा चुके हैं, लेकिन एनएमसी की पहली ही जांच में कमियां मिलने से इन्हें मान्यता नहीं मिली। डिस्क्वालिफाई होने के बाद शासन ने दोबारा आवेदन नहीं किया।

खरीदी और भर्ती बंद: जून से शुरू हुई फर्नीचर खरीदी अधूरी है और फैकल्टी भर्ती के परिणाम रोक दिए गए हैं।

कागजी टैगिंग: सरकार ने रिकॉर्ड में दिखाने के लिए छतरपुर को सागर और दमोह को जबलपुर स्वशासी कॉलेज से टैग (जोड़) दिया है, लेकिन व्यावहारिक तौर पर कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। सरकार 369 करोड़ रु खर्च कर चुकी है। नर्सिंग कॉलेज और 500 बेड का अस्पताल बनाने थे, जो रोक दी गई है।

सद्गुरु कबीर साहिब की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

अंतर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ का सम्मेलन संपन्न, भवन के लिए भूमि आवंटन की मांग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शिरोमणि संत कबीर भवन चकबतारा बिस्नाह में अंतर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ का एक दिवसीय सम्मेलन श्रद्धा एवं सामाजिक एकता के साथ आयोजित किया गया। इसमें देशभर से आए कबीर पंथ के संत-महात्माओं, पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। सम्मेलन में सद्गुरु कबीर साहिब की शिक्षाओं, समानता, प्रेम और भाईचारे के संदेश को समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चूड़ामणि साहिब ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विभिन्न कबीर पंथ संस्थाओं को एक मंच पर लाकर आपसी समन्वय मजबूत किया जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि कबीर के नाम का व्यावसायिक या अनुचित उपयोग करने वाली संस्थाओं पर संज्ञान लिया जाए। साथ ही धार्मिक और पाठ्य पुस्तकों में केवल कबीरदास की जगह सम्मानजनक संबोधन 'सद्गुरु कबीर साहिब' लिखा जाए। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक भव्य कबीर भवन निर्माण के लिए सरकार से भूमि आवंटित करवाने की बात भी कही, ताकि इसे देशभर के कबीर पंथियों के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

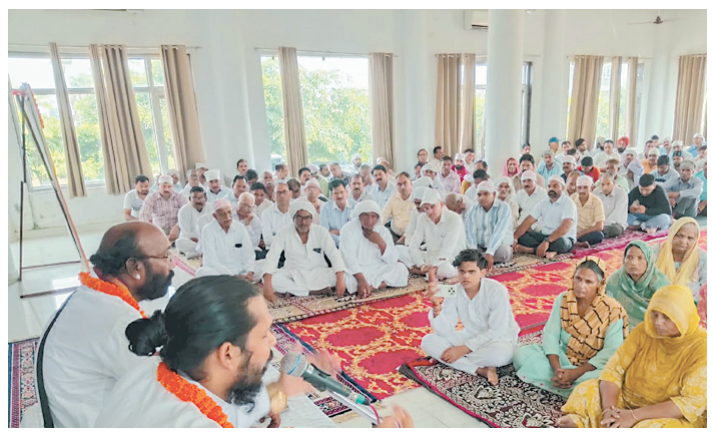

जम्मू-कश्मीर में बने 70 से अधिक कबीर भवन

शिरामणि संत कबीर भवन के चेयरमैन एवं महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव एफ.सी. भगत ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में 70 से अधिक कबीर भवनों एवं मंदिरों का निर्माण हो चुका है। इन संस्थाओं का मुख्य उद्देश्य केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि सद्गुरु कबीर साहिब की बाणी, सर्वधर्म सम्मान और दर्शन को समाज में मजबूत करना है। कार्यक्रम में महासंघ के उपाध्यक्ष महंत राधाकृष्ण एवं राष्ट्रीय महासचिव महंत डॉ. धर्मवीर भास्कर सहित अनेक हस्तियां उपस्थित रहीं। सम्मेलन में मुख्य रूप से सेवानिवृत्त आईएएस जी.आर. भगत, जम्मू जिलाध्यक्ष मनोहर लाल, कठुआ जिलाध्यक्ष प्रेम कृष्ण, सांबा जिलाध्यक्ष तीर्थ राम, रियासी प्रतिनिधि बोध राज, धर्मचंद बिस्नाह, डॉ. बूटी राम, चम्मल लाल, महंत रामपुरी, अर्जिंदर भगत उत्तरवैणी, जैनकराज चक चिमना, प्रीतम लाल पंडोरियां, सेवानिवृत्त सीओ टी.आर. भगत, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल यशपाल भगत, पूर्व सरपंच कुलदीप भगत, पुष्पविंदर कुमार बगोना, काकू राम हीरानगर, नायब सरपंच सोनू पिंडी चारकां, बंसी लाल तवेला, परसोतम लाल तवेला, रविदास और अश्विनी कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण पूर्ण रूप से आध्यात्मिक और सामाजिक एकता से ओत-प्रोत रहा।

ऑटो मोबाइल कंपनी का पूर्व सीईओ कानपुर से गिरफ्तार

फर्जी एक्सपीरियंस सार्टिफिकेट से बनाई थी कंपनी में हाई सैलरी जॉब

ब्रह्मास्त्र ▸▸ ग्वालियर

फर्जी सैलरी स्टेटमेंट और फर्जी एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट के आधार पर ऑटोमोबाइल कंपनी में ऊंची पोस्ट और भारी-भरकम सैलरी ऐंठने वाले जालसाज पूर्व सीईओ को पुलिस ने दबोच लिया है। ग्वालियर क्राइम ब्रांच पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के कानपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फर्जी दस्तावेज पर दिखाया था कि वह लैंडमार्क ग्रुप में 2.80 लाख रुपए प्रति माह की सैलरी पर जॉब कर रहा था।

जिसके बाद आनंद टोयोटा पर उसे वाइस प्रेसीडेंट की पोस्ट मिली फिर बाद में ग्रुप सीईओ (आफ्टर सेल्स) बनाया गया। मई 2026 में अचानक देवेन्द्र कुमार ने जॉब छोड़ दिया। जब उनके फाइनल सेटलमेंट के लिए दस्तावेज खंगाले तो यह फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ है। तभी से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार,देवेन्द्र कुमार दुबे (43 वर्ष), पुत्र रामनरेश दुबे, निवासी कानपुर (यूपी) को अगस्त 2025 में श्रीतुलजा भवानी ऑटोमोबाइल्स प्रा.लि जो 'अनंत टोयोटा' के नाम से जानी जाती है। इस कंपनी में ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट के पद पर नियुक्त किया गया था। बाद में उसकी कार्यक्षमता को देखते हुए कंपनी ने उसे 'ग्रुप सीईओ (आफ्टर सेल्स)' का प्रभार सौंप दिया था। देवेंद्र दुबे ने मई 2026 में अचानक अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। इस्तीफे के बाद जब कंपनी प्रबंधन उसका 'फुल एंड फाइनल सेटलमेंट' तैयार कर रहा था, तब बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और दस्तावेजों की जांच में बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया।

2.80 लाख रुपये महीने का लगाया था फर्जी बैंक स्टेटमेंट

जांच में खुलासा हुआ कि देवेंद्र ने नौकरी हासिल करने के लिए 'लैंडमार्क ग्रुप' में काम करने का फर्जी अनुभव पत्र जमा किया था। अधिक वेतन (सैलरी पैकेज) पाने के लिए उसने लैंडमार्क ग्रुप के नाम से ?2,80,670 प्रति माह का फर्जी बैंक स्टेटमेंट तैयार कर कंपनी में जमा कराया था, जिस पर उसके खुद के हस्ताक्षर भी थे। पर बाद में जांच में पता चला कि उसने लैंडमार्क ग्रुप में कभी नौकरी की ही नहीं थी। जिस पर एचआर मैनेजर ने कंपनी को अवगत कराया और उसके बाद क्राइम ब्रांच में शिकायत की गई थी। ?जिस पर अगस्त 2026 में पुलिस ने आरोपी देवेन्द्र कुमार पर फ्रॉड का मामला दर्ज किया था। धोखाधड़ी का पता चलते ही कंपनी प्रबंधन ने ग्वालियर क्राइम ब्रांच थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने देवेंद्र कुमार दुबे के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने का अपराध पंजीकृत कर जांच शुरू की। एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही आरोपी पुलिस से बचने के लिए फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कानपुर में अपने ठिकाने पर छिपा हुआ है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने दबिश देकर आरोपी देवेंद्र कुमार दुबे को धर दबोचा और सोमवार को ग्वालियर लेकर पहुंची है।

माथुर ने मंदिरों में नृत्य-संगीत की परंपरा को रखा जीवित

स्व. शीतल कुमार माथुर की स्मृति में 'अनहद में शीतल' कार्यक्रम आयोजित, पद्मश्री डॉ. पुरु दाधीच सहित दिग्गजों ने साझा किए संस्मरण

दिग्गजों ने सुनाए संस्मरण, दी सांगीतिक प्रस्तुतियां

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

प्रसिद्ध संगीताचार्य स्वर्गीय शीतल कुमार माथुर ने मंदिरों में नृत्य-संगीत प्रस्तुति की परंपरा को जीवित रखा। यह बात पद्मश्री एवं संगीत नाटक अकादमी के रत्न अवार्ड से सम्मानित डॉ. पूरू दाधीच ने कही। वे कालिदास अकादमी के अभिरंग सभागृह में स्व. माथुर की स्मृति में आयोजित 'अनहद में शीतल' कार्यक्रम में बोल रहे थे।

कार्यक्रम समन्वयक कुमार किशन ने बताया कि आयोजन में स्व. माथुर द्वारा संगीतबद्ध गीतों, भजनों, गजलों, राष्ट्रभक्ति गीतों तथा नाट्य संगीत की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. पुरु दाधीच, वरिष्ठ नृत्यांगना रंजना ठाकुर और पं. उमाशंकर भट्ट उपस्थित थे। संयोजक डॉ. पल्लवी किशन, स्व. माथुर के पुत्र अश्विन कुमार, नीरज माथुर और कुमार किशन ने अतिथियों का

शॉल-श्रीफल से सम्मान किया। इसके बाद वरिष्ठ गुरु छगनलाल शिवालिया, सुचित्रा पंडित, पं. शैलेंद्र भट्ट, अजय मेहता और पं. राजीव शर्मा को भी मंच पर सम्मानित किया गया।

डॉ. पुरु दाधीच ने 60-70 के दशक की रचना प्रक्रिया और आत्मीय संबंधों को याद करते हुए बताया कि वे स्व. माथुर, गोकुल प्रसाद, गुलाब सिंह यादव और उमाशंकर भट्ट के साथ मंदिरों में हाजिरी परंपरा के तहत संगीत व नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करते थे। इंदौर से आईं नृत्य गुरु रंजना ठाकुर ने संस्मरण सुनाने के साथ स्व. माथुर द्वारा रचित गजल 'रह-रह के हिनाई हाथों से' और लावणी 'सजू कशी मी, नटू कशी मी' की प्रस्तुति दी।

छगनलाल शिवालिया के मार्गदर्शन में शिव पंचाक्षर स्त्रोत, मीराबाई का भजन 'म्हारी अरज सुनो जी महाराज' और बिरहा गीत 'पिया परदेस' प्रस्तुत किया गया। अजय मेहता ने राम कथा रस वाहिनी (श्री राम लीला के नाट्य गीत) गाए। डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन की रचना 'वरदान मांगूंगा नहीं' और सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना 'बांधो ना नाव, इस ठाव बंधु' की सांगीतिक प्रस्तुति भी दी गई। सुचित्रा पंडित ने जकी मोहम्मद द्वारा लिखित उज्जैन का तराना 'कितनी जवां, कितनी हंसीं, उज्जैन की ये सरजमीं' प्रस्तुत किया, वहीं उनकी शिष्याओं ने 'झूलन चलो हिंडोलना' गाया। पं. राजीव शर्मा ने जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित व स्व. माथुर द्वारा रचित गीत और शेफाली चतुर्वेदी ने 'घुमड़ती घटाओं से झरता है सावन' गीत प्रस्तुत किया। समापन पं. शैलेंद्र भट्ट द्वारा सत्य साईं बाबा के भजन 'श्री राम चरण' व 'शिवाय परमेश्वराय' की प्रस्तुति के साथ हुआ।

कार्यक्रम में सितार पर दिलीप फड़के, तबले पर पं. शैलेंद्र भट्ट, विवेक धवन, राकेश बड़गोत्या, नयन सिसोदिया, ढोलक पर सुमित चौहान और सिंथेसाइजर पर सार्थक गहलोत ने संगत की। सह-कलाकार के रूप में अदिति निगम, हर्षा शर्मा, तृप्ति मित्तल, पूनम नायक, अंजलि नायक, दीक्षा अस्थाना, सिद्धांत राजपूत, धर्मेंद्र कुमार गौड़, आदर्श सेठी, लोकेंद्र चौहान, हिमांशु बड़गोत्या, देवेश अस्थाना, प्रफुल्ल सोनी, मोहम्मद आरिफ हाशमी, मन्नू भाई, ज्योति दुबे, चारु जोशी, पूर्ति करंदीकर, माही दुबे और जीशा नागर ने गायन किया। संचालन पं. सुदर्शन आयाचित ने किया और आभार अश्विन माथुर ने माना। कार्यक्रम में शहर के अनेक वरिष्ठ गीतकार, संगीतकार और श्री सत्य साईं समिति के सदस्य शामिल हुए।

NPR INFRA
ADVISORS PRIVATE LIMITED
Your Investment Our Advise

THE NEXT CHAPTER OF

More than just a plot... it's a better tomorrow!

ELIXIR PRANA

ON DELHI - DEHRADUN EXPRESSWAY

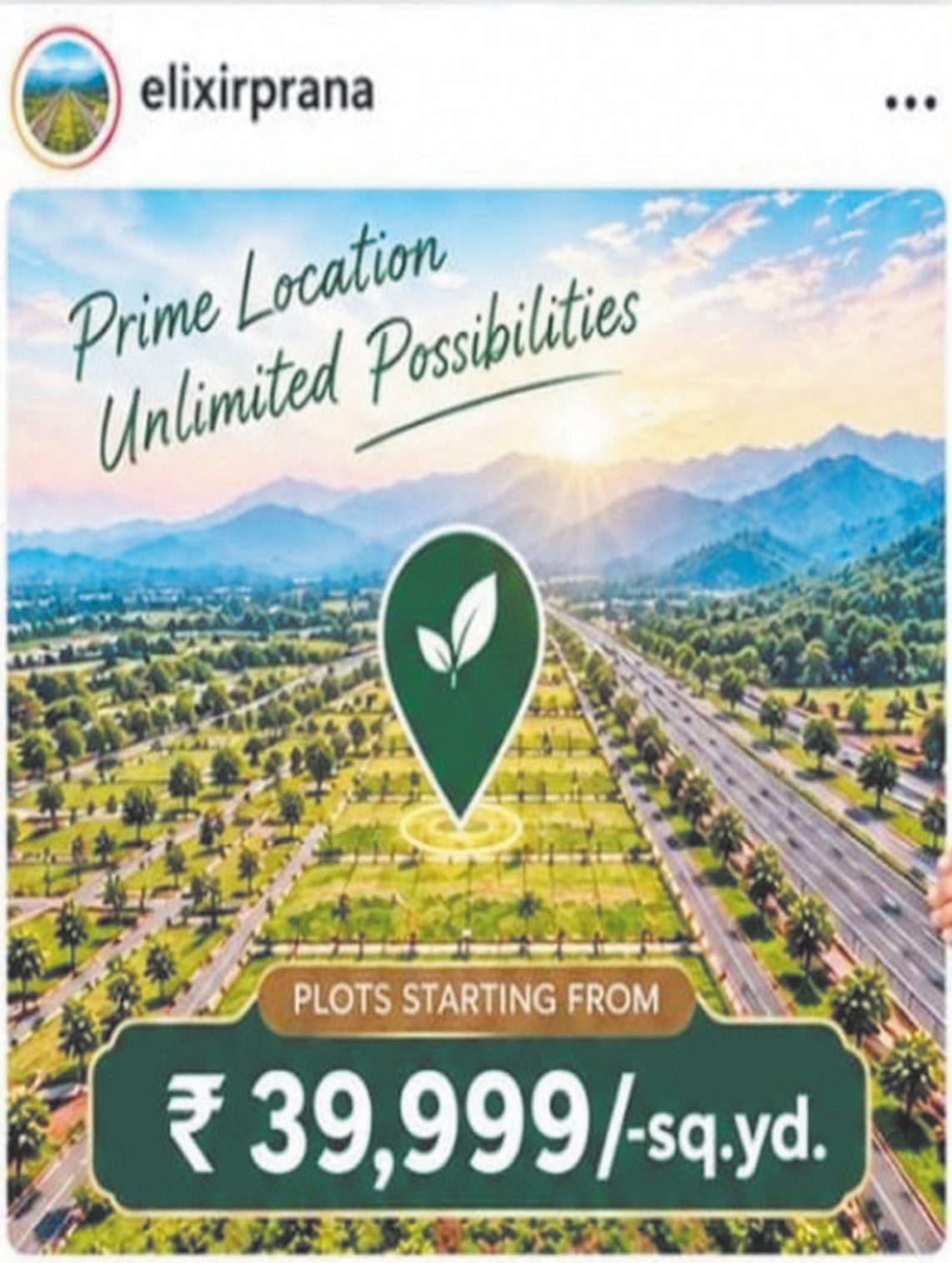

Strategic Location
80 ft Wide Road

High Appreciation
Growing demand, bright future

Planned Development
Modern infrastructure & green surroundings

Secure Investment
RERA approved project

Serene Lifestyle
Nature, peace & wellness

+91 97116 38113 | Delhi – Dehradun Expressway

Book Your Plot Today!

स्वदेशी जागरण मंच

स्वावलंबी भारत अभियान

MySBA

स्वदेशी - विदेशी वस्तुओं की सूची

वस्तु	स्वदेशी उत्पाद का प्रयोग करें	विदेशी उत्पाद का - बहिष्कार करें
नहाने का साबुन	संतूर, निरमा, स्वास्तिक, मैसूर सैंडल, विप्रो, शिकाकाई, मेडिमिक्स, गंगा, सिंथाल, मार्गो, पतंजलि तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	लक्स, लिरिल, लाईफबॉय, पियर्स, रेक्सोना, हमाम, जय, मोती, कैमे, डव, पॉण्डस, पॉमोलिव, जॉनसन, क्लीयरसील, डेटाल, लेसांसी, जासमीन, गास्टमिस्ट, लैक्मे, एम्वे, क्वॉटम, मोर्गो
कपड़े धोने का साबुन	घड़ी, निरमा, विमल, पतंजलि, हीपोलीन, टी-सीरिज, डेट, फेना, उजाला, शुद्ध, ईजी, जेंटिल, 555, बॉबी तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	सनलाईट, व्हील, एरियल, चेक, डबल, ट्रीलो, 501, ओके, की-रिबेल, एम्वे, क्वॉटम, सर्फ एक्सल, रिन, रिम बार, रॉबिन ब्लू और हिन्दूस्थान लिवर के अन्य उत्पादन
सौन्दर्य प्रसाधन औषधि	पार्क एवेन्यू, टिप्स एण्ड टोज, श्रृंगार, पतंजलि, सिंथॉल, संतूर, इमामी, खादी, बोरोप्लस, तुलसी, विको टर्मरिक, अर्निका, डाबर, हेयर एण्ड केयर, हिमानी, पैराशूट, फेम, केडिला, फ्रंको, अपका, खण्डेलवाल, टोरंट फार्मा, युनिकेम, झंडु फार्मा, महर्षि आयुर्वेद, बलसारा, डाबर, बैद्यनाथ, भास्कर, बोरोलीन, बजाज सेवाश्रम, कोकोराज, मूव, तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	जॉनसन, पॉण्डस्, ओल्ड, क्लियरसील, ब्रिलक्रिम, फेयरल एण्ड लवली, वेलवेट, मेडिकेयर, लेवेंडर, नायसील, शॉवर टू शॉवर, क्लूटीकूरा, लिरील, डेनिम, ऑरगनिक्स, रुट्स, पेंटिन, हेड एण्ड शोल्डर, एमवे, क्लिनिक, कोको केयर, नवराटिस, क्रेक क्रीम
टूथपेस्ट, दन्त मंजन, टूथब्रश	बबूल, प्रॉमिस, वीको, एंकर, डाबर, पतंजलि, अजय, अजंता, गरवारे, ब्रश क्लासिक, ईगल, बैद्यनाथ, लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	कोलगेट, सिबाका, क्लोजप, पेस्टोडेंट, एमवे, क्वॉटम, एक्वाफ्रेश, नीम, ओरल-बी, फोरहंस, सीग्नल, मॅकलिंस
दाढ़ी बनाने का साबुन ब्लेड्स	गोदरेज, इमामी, सुपर, सुपरमैक्स, अशोक, वी-जॉन, पतंजलि, टोपाज, प्रीमियम, पार्क एवेन्यू, लेझर, विद्युत, जे.के. तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	पॉमोलिव, ओल्ड स्पाईस, निविया, पॉण्डस्, फ्लेटिनम, जिलेट, सेवेन ओ क्लॉक, विलमेन, विलटेज, अरस्मिक, रिस्स, लेकमे, डेनिम
बिस्कीट चॉकलेट, दुग्ध उत्पाद, ब्रेड	वचन, गाया, देवभोग, न्यूट्रीन, अमूल, ब्रिटानिया, पतंजलि, चैम्पियन, ॲम्प्रो, पारले, साठे, बेकमन, प्रिया गोल्ड, मोनैको, गिट्स, पैरी, रावलगांम, क्लासिक, इंडाना, सफल, तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	नेस्ले, केडबरी, बोर्नविटा, हॉरलिक्स, बुस्ट, मिल्क मेड, किसान, मैगी, फैरेक्स, अनिकस्प्रे, कॉम्लान, किटकैट, चार्ज, एक्लेअर, मॉडर्न ब्रेड, माल्टोवा, व्हिवा, माइलो
चाय - कॉफी	टाटा, वाघबकरी, गिरनार, आसाम टी, सोसायटी, डंकन, ब्रह्मपुत्र, तेज, लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	बुकब्रांड, ताजमहल, रेडलेबल, डायमंड, लिपटन, ग्रीनलेबल, टाइगर, नेसकैफे, नेसले, डेल्टा, ब्रू, सनराईज, थ्री फ्लॉवर्स
शीतलपेय, शर्बत चटनी, अचार मुरब्बा	पोपट, मौसाजी, ओन्जुम, जैम्पिन, हल्दीराम, हमदर्द, मैप्रो, गुरुजी, फ्रूटी, गोकुल, बीकानेर, वेकफील्ड, मोगा, प्रिया, अशोक मदर्स रेसेपी तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	लहर, पेप्सी, सेवनअप, मिरिंडा टीम, कोका कोला, मॅकडोनाल्ड, मॅगोला, गोल्ड स्पाट, लिमका, थम्सअप, स्प्राईट, डक्यूस, फैण्टा, कैडबरी
आईस्क्रीम	कैप्स, अरूण, दिनशाँ, सेलेस्टी, अमूल, नेचूरल्स, हिमालय, निरुला, वाडीलाल, क्रीमवेल, मदर डेयरी	कैडबरी, डॉलाप, नाईस, बुकब्राड के उत्पादन, क्वालिटी, वॉल्स, बास्किन-रॉबिन्स, यांकि डयूडल्स
खाद्य तेल खाद्य पदार्थ	कमल, सर्वोत्तम, मारुति, पोस्टमेन, धारा, गिन्नी, स्वीकार, रथ, विजया, सपन, पॅराशूट, अशोक, सफोला, कोहिनूर, मधुर, इंजन, गगन, अमृत वनस्पति, रामदेव, एम.डी.एच., एवरेस्ट, बेडेकर, सहकार, लिज्जत, गणेश, शक्तिभोग आटा, टाटा तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	डालडा, क्रिस्टल, लिप्टन, अन्नपूर्णा नमक-आटा और चपाती, मैगी, किसान, बुकब्रॉण्ड, कैप्टनकुक नमक और आटा, मॉर्डन चपाती, कारगिल आटा
तैयार कपड़े	मफतलाल, रेमण्ड, पिटर इंलैण्ड, ट्रेंड, केम्ब्रिज, डबल बुल, झूड़ियो, अरविंद, डेनिम, प्रोलिन, टीटी, अमूल, वीआईपी, रूपा, पार्क एवेन्यू, न्यूपोर्ट, किलर, फ्लाईंग मशील, ड्यूक्स, कोलकाता बाजार, लूधियाना, एवं अन्य स्थानीय होजरी के उत्पादन	ली के सभी उत्पाद, बर्लिगन, लकोस्टे, सॅनफिस्को, कलरप्लस, व्हॅन हुसेन, लुई फिलिप, लेविस, पेप जीन्स, रैंगलर, बेनेटोन, रीड एण्ड टेलर, बायफोर्ड
कम्प्युटर, लैपटॉप एवं उपकरण	एच.सी.एल, सेनिथ, विप्रो, सहारा, इनटैक्स, चिराग, एमकेट, मोसरबेयर, बीपीएल, अजन्ता, टीवीएस	तोशिबा, सेमसंग, एलजी, लेनोवा, सोनी, ऐसर, एचपी, केनन, शार्प, एसुस, डेल, सनडिक्स, नेक, फिलिप्स

■ वर्ष-12 अंक-312 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल

मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

माता शत्रु: पिता वैरी येन बालों ने पाठित:।।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा।।

भावार्थ : जो माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षित नहीं करते हैं, माता शत्रु के समान होती है और पिता शत्रु के समान, ऐसा व्यक्ति हंसी के बीच बगुले की तरह विद्वानों के जमावड़े को नहीं शोभा पाता है।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, मंगलवासर: 15 सितम्बर, 2026

श्रियः प्रदुग्धे विपदो रुणद्धि यशांसि सूते मलिनं प्रमार्टि।।
संस्कारशौचेन परं पुनीते शुद्धा हि वुद्धिः किल कामधेनुः।।

भावार्थ : विद्या वास्तव में कामधेनु है, क्योंकि यह धन का पोषण करती है, विपत्ति (परेशानी) को रोकती है, प्रसिद्धि (प्रसिद्धि) लाती है, गंदगी (गरीबी) को धोती है, दूसरों को संस्कार रूप से पवित्र करती है।

सम्पादकीयम्

प्रतिनिधि प्रतिमा

अङ्कीयविश्वं सुरक्षितं करणं : बालानाम् मानसिकस्वास्थ्यस्य विषये वर्धमानाः चिन्ताः अङ्कीयजगत् सुरक्षितं भवतु इति सुनिश्चितं बालानाम् मानसिकस्वास्थ्यस्य कृते महत्त्वपूर्णम् अस्ति। अमेरिकीन्यायालयेन फेसबुकस्य इन्स्टाग्रामस्य च मूलकम्पनी मेटा इत्यस्य उपरि ५,००० कोटिभ्यः अधिकस्य दण्डः कृतः, बालसुरक्षां वर्धयितुं कम्पनीं स्वस्य मञ्चेषु परिवर्तनं कर्तुं च निर्देशः दत्तः। अमेरिकीन्यायालयेन मेटा-फेसबुकस्य, इन्स्टाग्रामस्य च मूलकम्पनी-इत्यत्र प्रायः ५,३९० कोटिरूप्यकाणां दण्डः कृतः यतः तस्य मञ्चानां बालानाम् मानसिकस्वास्थ्ये प्रतिकूलप्रभावः भवति यद्यपि गतवर्षे कम्पनी ६० अरब डॉलरात् अधिकं अर्जितवती तथापि बालसुरक्षायै स्वस्य मञ्चेषु परिवर्तनस्य आवश्यकता इति न्यायालयस्य निर्देशः दण्डस्य अपेक्षया अधिकं महत्त्वपूर्णः अस्ति। कम्पनी उपयोक्तृणां रक्षणं कर्तुं असफलतां प्राप्तवती। न्यू मेक्सिको न्यायालयेन स्वीकृतं यत् सामाजिकमाध्यममञ्चाः बालानाम् कल्याणाय हानिकारकाः सन्ति। एते मञ्चाः बालकानां कृते व्यसनं जनयितुं जानीतेव निर्मिताः आसन्। नाबालिकानां यौनशोषणात् रक्षणं कर्तुं अपि कम्पनी असफलतां प्राप्तवती। अमेरिकादेशे दण्डः आरोपितः। न्यायालयेन आदेशः दत्तः यत दण्डस्य भागः पीडितानां कृते व्ययितव्यः, यत् सामाजिकमाध्यमकम्पनयः उत्तरदायित्वं परिहरितुं न शक्नुवन्ति इति संकेतं दत्तवान् तेषां कृते सामाजिकसमस्यानां मूल्यं तेषां दातव्यम्। एतेन प्रथमवारं सामाजिकमाध्यमकम्पनी एतादृशरीत्या उत्तरदायी भवति, अन्येषु कतिपयेषु अमेरिकीराज्येषु अपि एतादृशाः मुकदमाः प्रचलन्ति इति कारणेन मेटा इत्यस्याः।

गृहस्वामी सम्पत्तिप्रबन्धकं नियुक्तुं शक्नोति गृहस्वामी लिखितरूपेण

व्यक्तिः किरायासंग्रहणं, मरम्मतस्य व्यवस्थां अन्येषां आवश्यकानां किरायेदारसम्बद्धानां

ब्रह्मास्त्र ▸▸ अहमदाबाद

गृहस्वामी सम्पत्तिप्रबन्धकं नियुक्तुं शक्नोति गृहस्वामी लिखितरूपेण सम्पत्तिप्रबन्धकं नियुक्तुं शक्नोति। अयं व्यक्तिः किरायासंग्रहणं, मरम्मतस्य व्यवस्थां, अन्येषां आवश्यकानां किरायेदारसम्बद्धानां विषयाणां प्रबन्धनम् इत्यादीनि कार्याणि सम्भालितुं शक्नोति।

अन्येषु नगरेषु राज्येषु वा निवसन्तः गृहस्वामीभ्यः लाभाय अस्य प्रावधानस्य लाभः अपेक्षितः अस्ति, ये स्वसम्पत्त्याः नियमितरक्षणस्य व्यक्तिगतरूपेण निरीक्षणं कर्तुं असमर्थाः सन्ति नियतकालस्य कालखण्डे मनमाना निष्कासनं न करणीयम् नूतनकायदानानुसारं किरायेदारस्य किरायासम्झौतेः सम्मतकालस्य मध्ये मनमानारूपेण निष्कासनं कर्तुं न शक्यते। निष्कासनस्य कार्यवाही किरायान्यायालयस्य माध्यमेन अवश्यं करणीयम्, केवलं कानूनेन निर्दिष्टानि आधाराणि एव वैधं मन्यन्ते।

निष्कासनस्य वैध आधाराः सूचनायाः अनन्तरं मासद्वयं यावत् किरायादानाय, सम्पत्तिक्षतिः, अनुमतिं विना परिसरं उपभाडयितुं, गृहस्वामी पुनर्निमार्णार्थं सम्पत्तिस्य आवश्यकतां च अन्तर्भवति त्रिस्तरीय विवाद निराकरण तन्त्रम् किरायाविवादानाम् निवारणाय त्रिस्तरीयव्यवस्था स्थापिता भविष्यति। प्रारम्भे आवेदनपत्राणि तत्सम्बद्धानि प्रक्रियाणि च किरायाप्राधिकरणेन नियन्त्रितानि भविष्यन्ति। निष्कासनसम्बद्धानां प्रकरणानाम् अवलोकनं किरायान्यायालयेन भविष्यति। अस्य न्यायालयस्य अध्यक्षता अतिरिक्तसंग्रहकर्तुः अथवा उपनगरपालिकायुक्तस्य पदात् न्यूनं न भवति इति अधिकारी भविष्यति। तदनन्तरं अपीलानाम् श्रवणं किरायान्यायाधिकरणेन भविष्यति, यस्य अध्यक्षता जिलान्यायाधीशस्य अथवा अतिरिक्तजिल्लान्यायाधीशपदस्य अधिकारी करिष्यति। अस्याः प्रणाल्याः माध्यमेन किरायाविवादानाम् समाधानार्थं पृथक संस्थागतरूपरेखा स्थापिता भवति।

कानूनाद् बहिष्कृताः बहवः सम्पत्तिः विधेयकस्य परिधितः बहिः कतिपयानि सम्पत्तिवर्गाणि स्थापितानि सन्ति। एतेषु सर्वकारीयभवनानि, कम्पनीकर्मचारिणां कृते निर्मिताः आवासाः, धार्मिक-दानसंस्थानां सम्पत्तिः, वक्फ-सम्पत्तयः, सार्वजनिकन्यास-सम्पत्तयः च सन्ति परन्तु यदि पक्षद्वयस्य सहमतिः भवति तर्हि एतादृशाः सम्पत्तिः कानूनस्य व्याप्तिम् आनेतुं शक्यन्ते। १९४७ तमस्य वर्षस्य अधिनियमस्य परिवर्तनम् एकदा नूतनः कानूनः प्रवर्तते तदा नूतनभाडाव्यवस्थानां कृते १९४७ तमे वर्षे निर्मितः पुरातनः किरायाधिनियमः निरसितः भविष्यति। परिवर्तनशीलानाम् आर्थिकनगरीयस्थितीनां अनुरूपं किरायाविपण्यं सुव्यवस्थितं कर्तुं नूतनः कानूनः सहायकः भविष्यति इति सर्वकारः कथयति। कानुभाई देसाईउक्तं यत् एतत् विधेयकं केवलं कानूनी प्रावधानानाम् दस्तावेजं न अपितु राज्यस्य आर्थिकसामाजिकजीवनं नियन्त्रयन्तः प्रणालीषु अधिका पारदर्शिताम् आनेतुं प्रयत्नः अस्ति। वक्तुः मते एतेन गृहस्वामीभ्यः समुचितः कानूनी आश्रयः प्राप्यते, किरायेदाराणां गरिमापूर्णावासस्य अधिकारः सुदृढः भविष्यति। नूतनप्रावधानैः उत्तमजीवनस्थितिः पोष्यते, अचलसम्पत्विपण्ये अनुशासनं च प्रवर्तयिष्यते इति सर्वकारस्य दावाः।

प्रशासनस्य समक्षं दुविधा

एकतः महिलानां मद्यनिषेधस्य आग्रहः अस्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

एतस्मिन् समये पुलिस-स्थानकस्य बहिः बहुसंख्याकाः महिलाः समागताः एव आसन्। पुलिसैः तेभ्यः शान्तिं स्थापयितुं आह्वानं कृतम्।

चतुर्दिनानि यावत् विरोधाः प्रचलन्ति विगतचतुर्दिनात् शिवपुरीमण्डले विभिन्नस्थानात् मद्यविरुद्धं महिलानां विरोधान्वितानां सूचनाः प्राप्यन्ते। सागरमण्डले नकलीमद्यस्य कारणेन मृत्योः अनन्तरं एते विरोधाः तीव्राः अभवन्। मद्यदुकानानि बन्दं कृत्वा ग्रामेषु मद्यविक्रये प्रतिबन्धः करणीयः इति महिलाः आग्रहं कुर्वन्ति। परन्तु विरोधान्दोलनेषु तोडफोडः, अग्निप्रकोपः, मद्यस्य शीशीनां विनाशः, पुलिस-आबकारी-कर्मचारिणां उपरि कथितानां आक्रमणानां घटनानां अनन्तरं पुलिसैः प्राथमिकी-पत्राणि पञ्जीकृत्य कानूनी-कार्याणि आरब्धानि सन्ति।

प्रशासनस्य समक्षं दुविधा अस्ति यत् एकतः महिलानां मद्यनिषेधस्य आग्रहः अस्ति, अपरतः च कानूनव्यवस्थां निर्वाहयितुम्, सर्वकारीयानां, अनुज्ञापत्रधारिणां च मद्यदुकानानां सुरक्षां सुनिश्चित्य च दायित्वम् अस्ति फलतः आगामिषु दिनेषु एतेषु क्षेत्रेषु पुलिस-प्रशासनेन क्रियमाणानां कायार्णां निकटतया निरीक्षणं भविष्यति।

अधुना रांचीपुलिसः सम्पूर्णं घटनाक्रमं सत्यापयति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रांची

विधायकः जनार्दन पासवानः अपि स्वस्थतायाः पुष्टिं कृतवान् अस्ति। अस्मिन् क्षणे सर्वाधिकं उपशमः अस्ति यत् सौरभः सुरक्षितः अस्ति; तथापि कथितस्य अपहरणस्य, आक्रमणस्य च विषये पुलिस-अनुसन्धानं निरन्तरं वर्तते। अधुना रांचीपुलिसः सम्पूर्णं घटनाक्रमं सत्यापयति। घटनास्थलात् आरभ्य सौरभः यत्र प्राप्तः तत्र यावत् क्रियाकलापाः अन्वेषणस्य व्याप्ते आनिताः सन्ति। पुलिसस्य अग्रिमः कदमः तत्र सम्बद्धानां शङ्कितानां पहिचाने, गृहीतुं च केन्द्रितः भवितुम् अर्हति। विधायकपुत्रस्य सुरक्षितपुनरुत्थानेन यद्यपि परिवाराय निश्चितरूपेण राहतं प्राप्तम्, तथापि एतस्याः घटनायाः कारणात् रांचीनगरस्य।

राशिफल

मेष : आप अपने शरीर को फिर से जीवंत करने और फिट बनने के लिए अंतहीन योजना बनाएंगे।

वृषभ : फ्रेंड्स के साथ गॉसिप करने से बचें। पैसे उधार देने से आज बचना बेहतर रहेगा। खान-पान पर थोड़ा ध्यान दें।

मिथुन : परिवार का कोई सदस्य आज आपके खिलाफ बोल सकता है, जिससे आपकी फीलिंग्स को गहरी ठेस पहुंचेगी।

कर्क : आज आप अपने जीवनसाथी के साथ अच्छी बातचीत करेंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है।

सिंह : जीवनसाथी के साथ अच्छा बर्ताव करें। व्यापारिक स्थिति उतार-चढ़ाव भरी हो सकती है। प्रेम जीवन में बातचीत कम हो सकती है।

कन्या : परिवार के लोगों के सपोर्ट से किसी काम में सफलता मिल सकती है। आर्थिक रूप से आप अच्छे रहेंगे।

तुला : पब्लिक डीलिंग से जुड़े लोगों के लिए दिन उपयोगी रहेगा। लोगों से बातचीत करते समय अपनी सीमाओं का ध्यान रखें।

वृश्चिक : परिवार की स्थिति अच्छी होगी। आर्थिक मामले उतार-चढ़ाव भरे हो सकते हैं। दबाव ज्यादा नहीं होगा।

धनु : नौकरी की तलाश करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है। वैवाहिक जीवन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा।

मकर : पेट से जुड़ी परेशानी से बचने के लिए खान-पान सही रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण शांत रहेगा।

कुंभ : आपको किसी अटके हुए धन की वापसी हो सकती है। व्यापारिक स्थिति अच्छी होगी। रिश्तों में ईगो को बीच में न आने दें।

मीन : काम में जल्दबाजी न करें और पर्याप्त नींद लें। जबकि खुशहाली स्मार्ट फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट की इजाजत दे सकती है।

卐 卐 卐 **ज्योतिष/वास्तु** 卐 卐 卐

सूर्य गोचर: 17 सितंबर के बाद इन 2 राशियों का चमकेगा करियर, मिल सकती है बड़ी सफलता

17 सितंबर को सूर्य सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। अब कन्या राशि में पहुंचने के बाद सूर्य केतु के प्रभाव से अलग हो जाएंगे। ऐसे में कुछ राशि के जातकों के लिए करियर के लिहाज से परिस्थितियां बेहतर होने के संकेत हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं।

ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, नेतृत्व, पद-प्रतिष्ठा और करियर का प्रमुख कारक माना जाता है। जब सूर्य की चाल बदलती है, तो इसका असर व्यक्ति के कार्यक्षेत्र और उपलब्धियों पर भी देखने को मिल सकता है। सितंबर के मध्य में सूर्य एक बार फिर राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। 17 सितंबर को सूर्य

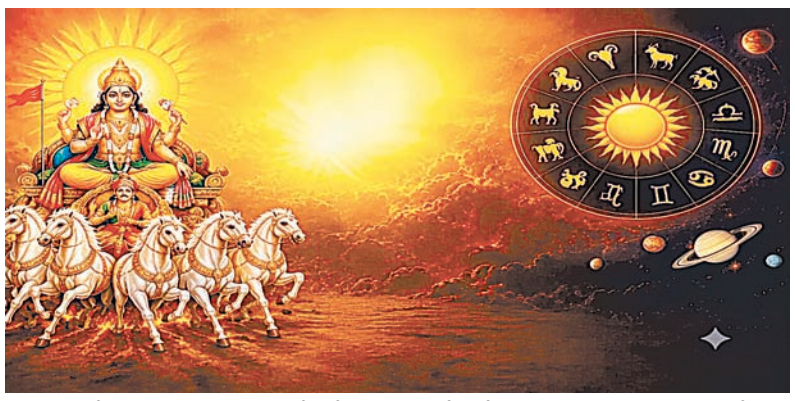

सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। खास बात यह है कि सिंह राशि में सूर्य की केतु के साथ युति बन रही थी, जिससे कुछ राशियों को कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता था। अब कन्या राशि में पहुंचने के बाद सूर्य केतु के प्रभाव से अलग हो जाएंगे। ऐसे में कुछ राशि के जातकों के लिए करियर के लिहाज से परिस्थितियां बेहतर होने के संकेत हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि के जातकों के लिए सूर्य का कन्या राशि में प्रवेश लाभ के नए अवसर लेकर आ सकता है। सूर्य आपके एकादश भाव में गोचर करेंगे, जिसे आमदनी, लाभ और इच्छाओं की पूर्ति से संबंधित माना जाता है। ऐसे में कारोबार से जुड़े लोगों को अपने प्रयासों का अच्छा परिणाम मिल सकता है। व्यापार में नए संपर्क बनने और आर्थिक लाभ के अवसर बढ़ने की संभावना है। जो लोग लंबे समय से अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। नौकरी करने वाले जातकों के लिए भी समय अनुकूल रह सकता है। आय में बढ़ोतरी के साथ करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुल सकते हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को भी अच्छी खबर मिल सकती है।

धनु राशि- सूर्य का राशि परिवर्तन धनु राशि के जातकों के करियर के लिए भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। आपके लिए सूर्य का गोचर कर्म भाव यानी दसवें भाव में होने जा रहा है। यह स्थान नौकरी, पेशा, प्रतिष्ठा और कार्यक्षेत्र से जुड़ा माना जाता है। इसलिए इस दौरान करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऑफिस में आपके काम और मेहनत की सराहना हो सकती है। लंबे समय से पदोन्नति की उम्मीद कर रहे जातकों को अच्छी खबर मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों के लिए भी समय उत्साह बढ़ाने वाला रह सकता है। यदि आप नौकरी बदलने के बारे में विचार कर रहे हैं, तो 17 सितंबर के बाद नए अवसर मिल सकते हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे धनु राशि के जातकों को भी सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के संकेत मिल सकते हैं।

पंत और सिराज की वापसी संभव, हार्दिक की फिटनेस पर नजर

वनडे सीरीज में राहुल हो सकते हैं उपकप्तान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 के दौरान भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की ओडीआई सीरीज खेली जाएगी। सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 16 सितंबर को होने की उम्मीद है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति टीम चुनेगी।

शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाए जाने की संभावना है। विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत के साथ ध्रुव जुरेल में से किसी एक को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं, हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर सभी की नजर होगी। सीरीज का पहला मैच 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगा।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, रेगुलर वनडे उपकप्तान श्रेयस अय्यर एशियन गेम्स के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उपलब्ध नहीं होंगे। श्रेयस जापान में भारतीय टी-20 टीम की अगुवाई करेंगे। ऐसे में केएल राहुल उपकप्तानी के ऑप्शन होंगे। राहुल के पास ओडीआई क्रिकेट का अनुभव है। वे बल्लेबाजी के साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाल सकते हैं।

पंत और जुरेल में मुकाबला- विकेटकीपर के लिए सिलेक्टर्स के सामने चुनौती होगी। ईशान किशन भी एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड में होंगे।

इस वजह से वेस्टइंडीज के खिलाफ राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर का विकल्प चुनना होगा। इसके लिए ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल के नाम पर विचार किया जा रहा है।

सिराज की वापसी तय मानी जा रही

पेस अटैक को लेकर चयनकर्ताओं के सामने स्थिति काफी स्पष्ट है। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव फिट हैं। इन सभी को चयन के लिए उपलब्ध बताया जा रहा है। ऐसे में सिराज की वनडे टीम में वापसी तय मानी जा रही है। अगरकर के कार्यकाल की आखिरी बैठक हो सकती है 16 सितंबर की सिलेक्शन मीटिंग अजीत अगरकर के मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट के दौरान उनकी आखिरी बैठक हो सकती है। उनका निर्धारित कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट एक साल के लिए बढाया जा सकता है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी उनके भविष्य पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

बीसीसीआई से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि दोनों में से एक का चयन किया जाना है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच की राय भी इस फैसले में अहम होगी। अगर ऋषभ पंत को वनडे टीम में जगह नहीं मिलती है, तो वह ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी कर सकते हैं। पंत के चुने जाने पर जुरेल को रेस्ट ऑफ इंडिया की कमान मिलने की संभावना है। जुरेल हाल ही में श्रीलंका दौरे पर इंडिया-ए की कप्तानी कर चुके हैं।

भारत-अफगानिस्तान दूसरा टी-20 आज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

भारत-अफगानिस्तान के बीच दूसरा टी-20 मैच आज दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। तीन मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 1-0 से आगे है। भारत ने पहला मैच 7 विकेट से जीता था।

इस मैच में भारतीय टीम के प्लेइंग-11 में एक बदलाव तय है। मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को मौका मिल सकता है। भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती वैभव सूर्यवंशी के प्लेइंग-11 में सिलेक्शन को लेकर है। सूर्यवंशी ने मैच से पहले सूर्यवंशी ने नेट सेशन में काफी पसीना बहाया है।

पहले मैच में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ओपनिंग करते उतरे थे। अभिषेक ने 32 गेंद पर 82 रन की पारी खेली, जबकि सैमसन सिर्फ 10 रन बना सके। हालांकि इसके बावजूद टीम इंडिया इसी ओपनिंग कॉम्बिनेशन के साथ मैदान पर उतर सकती है। भारत इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक अफगानिस्तान से एक भी मैच नहीं हारा है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 10 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 9 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 1 मैच बेनतीजा रहा है। ईशान किशन साल 2026 में भारत के सबसे सफल टी-20 बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने 24 मैचों में 173.57 की स्ट्राइक रेट से 854 रन बनाए हैं। इस दौरान 103 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने इस साल 20 मुकाबलों में 28 विकेट हासिल किए हैं। वे टीम के टॉप विकेट टेकर हैं।

गेंदबाज क्रांति गौड़ पर जुर्माना लगा

डिमेरिट पॉइंट भी, विमेंस एशिया कप फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी को पवेलियन जाने की ओर इशारा किया था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ दुबई

विमेंस एशिया कप फाइनल के बाद भारतीय महिला टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर आईसीसी ने जुर्माना लगाया है। उन्होंने मुकाबले में श्रीलंकाई बल्लेबाज इमेशा दुलानी को आउट करने के बाद पवेलियन जाने की ओर इशारा किया था।

क्रांति पर मैच फीस का 10% जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान टीम पर भी सेमीफाइनल मैच में स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5% जुमार्ना लगाया गया है।

क्रांति ने गलती मानी- घटना श्रीलंकाई की पारी के पहले ओवर में हुई। इमेशा को क्रांति ने बोल्ड किया। इसके बाद उन्होंने पवेलियन की ओर जाने का इशारा किया। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के तहत दोषी पाया गया। लेवल 1 के उल्लंघन पर आधिकारिक चेतावनी से लेकर खिलाड़ी की मैच फीस के 50% तक जुमार्ना लगाया जा सकता है। इसके साथ एक या दो डिमेरिट पॉइंट भी दिए जा सकते हैं। यह 24 महीने की अवधि में गौड़ का पहला अपराध है। उन्होंने अपनी गलती मान ली है और मैच रेफरी सुप्रिया दास की प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली।

पाकिस्तान ने तय समय में 1 ओवर कम डाला- श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल में धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान पर जुर्माना लगा। मैच रेफरी जीएस लक्ष्मी ने यह सजा दी। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी

पाकिस्तान को तय समय में एक ओवर कम कराने का दोषी पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार, तय समय में टीम जितने ओवर कम कराती है, हर ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5% जुर्माना लगाया जाता है।

खबर एक नजर...

सिद्धवट से लापता युवक अस्पताल में मृत मिला

उज्जैन। नानाखेड़ा एकतानगर में रहने वाला अर्जुन पिता भैरूलाल घावरी 45 साल सिद्धवट मंदिर परिसर में सफाई का काम करता था। 12 सितंबर को घर नहीं लौटा तो पत्नी प्रेमलता ने तलाश करने के बाद उसके लापता होने की शिकायत 13 सितंबर को दोपहर में भैरवगढ़ थाना पहुंचकर दर्ज कराई। इस बीच रात में चरक अस्पताल से खबर सामने आई कि दुर्घटना में घायल अर्जुन नामक युवक की मौत हो गई। जो नानाखेड़ा क्षेत्र का रहने वाला है। अर्जुन नाम पता चलने पर भैरवगढ़ पुलिस और परिजन अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होने मृतक की पहचान 2 दिन से लापता अर्जुन घावरी के रूप में कर ली। बताया जा रहा था कि 12 सितंबर को सड़क दुर्घटना में घायल होने पर कुछ लोगों द्वारा उसे अस्पताल तक पहुंचाया गया था। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। घटनास्थल का पता लगाकर आगे की जांच शुरू की जायेगी।

नागपुर में 2 साल बाद मजदूरी करती मिली लापता बालिका

उज्जैन। नरवर के बाढ़ कुम्मेद से 2 साल पहले लापता हुई 16 साल की बालिका नागपुर में कंट्रक्शन साइड पर काम करती मिली। पुलिस बालिका के साथ युवक को गिरफ्तार कर उज्जैन लाई है। नरवर थाना प्रभारी बबलू मंडलोई ने बताया कि बालिका के लापता होने के बाद से उसकी लगातार तलाश की जा रही थी। 2 साल बाद तकनीकी साक्ष्य के आधार पर उसका पता चला। बालिका ने शादी कर ली है। जिसे न्यायालय में पेश कर बयान दर्ज कराये गये है। युवक भी बाढ़कुम्मेद का रहने वाला है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

पुरानी रंजीश में रास्ता रोक युवक से मारपीट

उज्जैन। गणेश टेकरी पटेल नगर में रहने वाला रवि पिता नंदलाल सूर्यवंशी रविवार रात घर लौट रहा था। पटेल नगर में राजू सपरेटा की दुकान के सामने उसे क्षेत्र के रहने वाले कृष्णा ने रोका और मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। रवि सूर्यवंशी ने चिमनगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और बताया कि कृष्णा से पूर्व में विवाद हुआ था उसी रंजीश में रास्ता रोक मारपीट की है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है।

शिवसिटी कालोनी से 63 साल का वृद्ध 13 दिन से लापता

उज्जैन। नागझिरी थाना क्षेत्र की शिवसिटी कालोनी में रहने वाले 63 वर्षीय वृद्ध खेमचंद पिता दुलीचंद शाक्यवार 1 सितंबर की सुबह घर से निकले थे। जब वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। 10 दिनों तक कुछ पता नहीं चला तो 13 सितंबर को पुलिस थाने पहुंचकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। सोमवार शाम तक लापता वृद्ध का पता नहीं चल पाया है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने भी कालापत्थर से 20 अगस्त को लापता हुये राहुल पिता बालाराम चौहान निवासी ग्राम किटिया राघवी के लापता होने के मामले में 25 दिन बाद भाई की शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

सर्पदंश का शिकार बुजुर्ग की 8 दिन बाद मौत

उज्जैन। 8 दिन पहले ग्राम सदावल में रहने वाले बुजुर्ग गोवर्धन पिता भुवान यादव को सांप ने डस लिया था। परिजनों ने उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां रविवार-सोमवार रात बुजुर्ग की मौत हो गई। महाकाल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के बताया कि घर के पास कमरे में भरी प्याज बारिश के चलते खराब होने लगी थी, गोवर्धन खराब प्याज अलग करने गये थे, उसी दौरान सांप ने डंसा था।

नानाखेड़ा-इंगोरिया पुलिस ने जुआ खेलने वालों को पकड़ा

उज्जैन। नानाखेड़ा और इंगोरिया पुलिस ने ताश पत्ती से जुआ खेल रहे आधा दर्जन लोगों को पकड़ा और नगद राशि बरामद की। इंगोरिया पुलिस ने सर्कल भ्रमण के दौरान ग्राम चिकली में चौक के ओटले जुआ खेल रहे 4 युवकों को पकड़ा और ताश पत्ती के साथ 1350 रुपए नगद बरामद किये। नानाखेड़ा पुलिस ने सूचना मिलने पर तारामंडल के पास मैदान में घेराबंदी कर 3 युवकों को गिरफ्तार कर ताशपत्ती के साथ 620 रुपए बरामद किये। दोनों थाना पुलिस ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ धारा 13 जुआ अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

मंगलध्वनि और जयघोष के साथ विराजे गणपति बप्पा

उज्जैन। महाराष्ट्र समाज द्वारा तिलक स्मृति मंदिर, क्षीरसागर स्थित समाज भवन में सोमवार को 12 दिवसीय पारंपरिक श्री गणेशोत्सव का उत्साह और भक्तिमय वातावरण में शुभारंभ हुआ। मालीपुरा स्थित रुद्र होटल से श्री गणपति बप्पा की प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से प्रतिमा की स्थापना की गई। समाज का यह गणेशोत्सव 25 सितंबर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल समाजजनों ने गणपति बप्पा मोरया के जयघोष और मंगलध्वनि के साथ बप्पा की अगवानी की। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत और पूजन किया। गणेशोत्सव समिति के संयोजक चंद्रकांत फटाले ने मुख्य यजमान के रूप में सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। इसके पश्चात महाआरती कर समाज और नगर की सुख-समृद्धि, शांति तथा मंगल की कामना की गई। बप्पा के मंगल आगमन के अवसर पर महाराष्ट्र समाज के अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, सचिव विश्वास करहाडकर, कोषाध्यक्ष रविन्द्र वि मुले, वसंत आप्टे, प्रदीप जोग, गणेशोत्सव समिति अध्यक्ष संजय दिवटे, उपाध्यक्ष श्रीमती कीर्ति गुमास्ते व तुषार मुजुमदार, सचिव चंद्रकांत फटाले, कोषाध्यक्ष रविन्द्र अयाचित आदि उपस्थित थे।

दिन	299-0	136-0
मेन बाजार	466-6	-
मिलन डे	330-6	355-3
मिलन नाइट	390-2	280-2

7 9 0

गणेश जी की स्थापना में लगने वाली सामग्री का गुच्छा पिछले साल की अपेक्षा एक भाव 50 रू. का

चतुर्थी पर बाजार में एक फीट का गुलाब का हार भी सौ रूपए का मिला

लड्डू से लेकर मोदक और अन्य भोग सामग्री भी बाजार में महंगे ही बिके

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गणेश चतुर्थी पर बाजार में मुंह मांगे दाम की स्थिति कायम देखी गई। बाजार में पिछले वर्ष तक 20 रूपए में मिलने वाला स्थापना पूजन में लगने वाली सामग्री का गुच्छा इस बार एक भाव 50 रूपए में ही बेचा गया। भगवान के प्रिय भोग बुंदी के लड्डू एवं मोदक पर भी महंगाई छाई हुई रही और भोग सामग्री में महंगाई का तडका लगा रहा । इसके बावजूद गणेश स्थापना को लेकर आमजन में काफी रूझान देखा गया है।

सर्वप्रिय देव प्रथम पूज्य श्री गणेश की चतुर्थी पर्व पर बाजार में एकदम से महंगाई एवं मनमाने दाम की काली छाया छाई रही। पूजन में उपयोग आने वाले पान के पत्ते फ्रीगंज बाजार में 10 रूपए के तीन बेचे जा रहे थे तो कमल पुष्प 10 रूपए के दो। पीओपी की छोटी प्रतिमाओं की फिक्स दर थी। इसमें सीधे 101 रूपए से ही शुरूआत हो रही थी। उसके बाद सीधे 121,151,201 की दर ही चल रही थी। इको फ्रेंडली मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं की दर सीधे 251 से ही मांग की जा रही थी।

पूजन सामग्री सीधे 50 की

गणेश प्रतिमा स्थापना में जंगल की सामग्री उपयोग में लाई जाती है। इसमें आंवला फल, आंकडा, जंगली मेंहदी, कपास, भूट्टा, केल, आंकडा, सहित अन्य सामग्री शामिल रहती है। पिछले वर्ष तक यह सामग्री गुच्छे में 20 रूपए में ही बेची जाती थी। इस वर्ष इन समस्त सामग्री के दाम सीधे 50 रूपए ही वसूले जा रहे थे और उसमें भी सामग्री नाम मात्र की एक-एक ही रखी जा रही थी।

गेंदा चला, गुलाब जमकर महंगा

गणेश स्थापना में ज्यादातर बेचने वाले गेंदा फूल ही लेकर बैठे थे। गुलाब का एक फीट का हार बनाकर देने के एवज में एक सौ रूपए की मांग की जा रही थी। भाव-ताव एवं मनुहार के बाद इसे 80 रूपए में दिया जा रहा था। जिन ग्राहकों ने भाव नहीं किया उन्हें तो सीधे तौर पर एक सौ रूपए में ही हार दिया गया। रेहडी दुकानदारों का कहना था कि मौसम अनुकूल नहीं होने से गुलाब की आवक कमजोर है और जो फूल आ रहा है वो मालवी गुलाब है जो कि खिर रहा है ऐसे में हार मुश्किल से बन रहा है।

बूंदी लड्डू एवं मोदक दोनों महंगे

बाजार में मिष्ठान भंडारों पर शकर के दाम बढने का असर देखा गया है। बूंदी के लड्डू 650 एवं मोदक750 रूपए किलो दाम में बेचे जा रहे थे। मावा लड्डू के दाम और उंचे थे इसके अलावा स्पेशल मिठाईयों को भी बेचा जा रहा था। मिष्ठान दुकानों पर ज्यादा मांग मोदक एवं बूंदी के लड्डू की ही रही। दुकानदारों का कहना था कि इनमें इस्तेमाल की जाने वाली समस्त सामग्री के दाम में खासी बढोतरी के बाद भी हमने तो मात्र किलो पर 50 से 100 रूपए की ही वृद्धि की है।

कैमरों की मदद से मिला सुराग, जीआरपी जल्द करेगी खुलासा

महाराष्ट्र की गैंग महिला यात्रियों के चुराती थी आभूषण

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

उज्जैन। ट्रेनों में महिला यात्रियों के आभूषण चोरी करने वाली गैंग का पता जीआरपी की टीम ने कैमरों की मदद से लगा लिया है। महाराष्ट्र की गैंग सावन-भादौ माह से अब तक वारदातों को अंजाम देने आ रही थी। गैंग के सदस्यों से पूछताछ जारी है। एक-दो दिन में मामले का खुलासा किया जा सकता है।

पिछले कुछ दिनों में ट्रेन में चढ़ते समय महिलाओं के हाथ से सोने के कंगन चोरी होने के मामले लगातार सामने आये थे। जीआरपी थाना प्रभारी सुनील गुप्ता ने आरपीएफ टीम के साथ मिलकर प्लेटफार्मो पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये थे। जिसके माध्यम से कुछ संदिग्धों का सुराग मिला था। जिन्हे ट्रेस किया गया। इस दौरान सामने आया कि वारदात करने वाली गैंग महाराष्ट्र की है। जीआरपी की टीम ने तलाश शुरू की और गैंग के कुछ सदस्यों को हिरासत में ले लिया। जिनसे पूछताछ की जा रही है। गैंग ने कंगन के साथ सावन-भादौ माह में भी स्टेशन परिसर से लेकर प्लेटफार्मो पर महिला यात्रियों की चेन-मंगलसूत्र चुराने की वारदातों को अंजाम दिया है। पूछताछ और आभूषण बरामद होने पर मामले का खुलासा किया जायेगा।

इधर रेलवे स्टेशन तक पहुंची क्राइम टीम

पिछले दिनों भागसीपुरा में आभूषण दुकान से चोरी हुई जेवरात की ट्रे के मामले खाराकुआ पुलिस के साथ क्राइम की टीम वारदात करने वाली महिलाओं का पता लगाने में जुटी है। बताया जा रहा है कि महिलाएं पारदी गिरोह की हो सकती है। जो रेलवे स्टेशन तक पहुंची थी। पुलिस कैमरों के फुटेज से सुराग तलाशने के प्रयास में लगी है। शहर में खिलौने-सामान बेचने वाली पारदी महिलाओं से भी पूछताछ कर उक्त तीनों महिलाओं का पता लगाने के प्रयास जारी है। संभावना है कि उक्त मामले में भी पुलिस को जल्द सुराग मिल सकता है।

इनके साथ हुई थी कंगन चोरी की वारदात- पिछले कुछ दिनों में जीआरपी ने उज्जैन से हैदराबाद की यात्रा के लिये स्टेशन पहुंची साधना मिश्रा, उज्जैन से बडोदार जाने के लिये बेटी के साथ पहुंची मंजुला जेवरी और इटारसी जाने के लिये नर्मदा एक्सप्रेस में सवार हुई विमलाबाई के साथ कंगन चोरी की शिकायत दर्ज की थी। सावन-भादौ माह में भी कुछ महिलाओं के साथ चेन-मंगलसूत्र चोरी के प्रकरण दर्ज किये थे। सूत्रों के अनुसार अधिकांश वारदातें महाराष्ट्र की गैंग ने की है।
उम्रदराज महिलाओं को बनाते थे निशाना- जानकारी सामने आई कि गैंग उम्रदराज महिलाओं को अपना निशाना बनाती थी। भीड़ के बीच ट्रेन में चढ़ने के दौरान गैंग के सदस्य मदद के बहाने पहुंचते थे और चालाकी से कटर के माध्यम से कंगन काटकर चोरी कर लेते थे। पूछताछ पूरी होने पर गैंग से पूरी वारदात का तरीका सामने आ सकता है।

दंपति ने बैंक में गिरवी मकान बेचकर ठगे 8 लाख

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शातिर पति-पत्नी ने बैंक में गिरवी रखे मकान का सौदा कर दिया और 8 लाख रुपए ले लिये। रजिस्ट्री नहीं होने पर धोखाधड़ी का मामला सामने आने पर व्यापारी ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। मामले में दंपति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर दंपति की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किये गये है।

जीवाजीगंज थाना क्षेत्र की गीता कालोनी में रहने वाले नरेश पिता मोहनलाल वासवानी ने मोहननगर क्षेत्र में मकान का सौदा मालीखेड़ी में रहने वाले दंपति जितेन्द्र पंवार और उसकी पत्नी हीना कुंवर से सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच किया था। मकान हीना कुंवर के नाम पर था। गीता कालोनी में बातचीत तय होने के बाद दंपति को 4-4 लाख के 2 चैक दिये गये। शेष 33 लाख 6 माह बाद देकर रजिस्ट्री कराने की बात तय हुई। नरेश वासवानी ने तय समय बाद रजिस्ट्री कराने के लिये कहा तो दंपति टाल-मटौल करने लगे। 3 माह गुजर जाने के बाद पता चला कि उक्त मकान बैंक में गिरवी रखा है। नरेश ने 8 लाख रुपए लौटाने की बात कहीं तो दोनों ने मना कर दिया।व्यापारी ने लेनदेन गीता कालोनी में होने पर मामले की शिकायत आवेदन के माध्यम से जीवाजीगंज थाना पुलिस से की। पुलिस ने जांच के बाद मामले में दंपत्ति के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा 318 (4), 3 (5) भारतीय न्याय संहिता का प्रकरण दर्ज कर लिया।

रिमांड पर पशु मांस के साथ हिरासत में आया आरोपी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पशु मांस के साथ हिरासत में आये आरोपी को पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। उसके मकान से 1 क्विंटल से अधिक मांस बरामद किया था। आरोपी अवैध शराब का कारोबार भी करता है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि सूचना मिली थी कि मुजम्मिज मस्जिद के पीछे सम्राटनगर में आशिक पिता अब्दुल मजीद कुरैशी अपने मकान में चोरी छुपे अवैध पशु मांस काट रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर मकान में पहुंची। आशिक कुरैशी मौके पर मौजूद था, उसे हिरासत में लिया गया और वहां से एक क्विंटल से अधिक पशु मांस बरामद किया गया। कमरे की तलाशी लेने पर वहां से कच्ची जहरीली शराब भी बरामद हो गई। पशु मांस बेचने के संबंध में पूछताछ करने पर अवैध तरीके से बेचना कबूल किया। आरोपी को गिरफ्तार किया गया और गौवध प्रतिषेध अधिनियम के साथ आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से 2 दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में 7 प्रकरण दर्ज होना सामने आये है। जिसमें आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट, चाकूबाजी, मारपीट के सामने शामिल है। आरोपी पूर्व में महाकाल क्षेत्र में रहता था, कुछ सालों से सम्राटनगर में किराये का मकान लेकर निवास कर रहा है। पुलिस के अनुसार बरामद किया गया पशु मांस की जांच पशु चिकित्सकों से कराई गई है। मांस पाड़े का होना सामने आया है। आरोपी से रिमांड अवधि में इस बात का पता लगाया जा रहा है कि वह पशु वध कहां करता था और कब से अवैध मांस बेचने का काम कर रहा है।

बिना बिकी रह गईं बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाएं

अधिक दुकानें लगने से छोटे दुकानदारों को नुकसान

देर रात तक ग्राहकों की राह देखते रहे विक्रेता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गणेशोत्सव को लेकर शहर में इस वर्ष विघ्नहर्ता भगवान गणेश की विभिन्न आकार-प्रकार और आकर्षक स्वरूपों वाली प्रतिमाओं की बड़ी संख्या में दुकानें लगाई गईं। हालांकि अपेक्षा के अनुरूप बिक्री नहीं होने से कई दुकानदारों को निराशा हाथ लगी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। सिंधी कॉलोनी चौराहा क्षेत्र में लगी कुछ दुकानों पर देर रात तक बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाएं बिना बिके रखी नजर आईं। ऐसी ही स्थिति फ्रीगंज बाजार में भी देखने को मिली।

शहर के पॉश माने जाने वाले क्षेत्रों में भी कई दुकानदार देर रात तक ग्राहकों का इंतजार करते रहे, लेकिन उन्हें अपेक्षित ग्राहक नहीं मिल सके। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का मुख्य समय प्रातः से दोपहर तक माना जाता है। हालांकि कामकाजी लोग शाम के समय भी प्रतिमा खरीदकर घरों में स्थापना करते हैं, लेकिन शाम ढलने के बाद बिक्री की संभावना काफी कम हो जाती है। ऐसे में जिन दुकानदारों की प्रतिमाएं देर शाम तक नहीं बिकीं, उनके सामने उन्हें वापस ले जाने की समस्या खड़ी हो गई।

नाजुक होने से सालभर रखना भी मुश्किल

गणेश प्रतिमाओं को लंबे समय तक सुरक्षित रखना भी दुकानदारों के लिए बड़ी चुनौती है। अधिकांश प्रतिमाएं मिट्टी अथवा पीओपी से बनी होने के कारण नाजुक होती हैं और इनके खंडित होने का खतरा बना रहता है। ऐसे में बची हुई प्रतिमाओं को पूरे वर्ष सुरक्षित रखना आसान नहीं होता। नाम न छापने की शर्त पर कुछ दुकानदारों ने बताया कि गणेश प्रतिमाओं की मांग तो हर वर्ष रहती है, लेकिन इस बार शहर में अपेक्षाकृत अधिक संख्या में दुकानें लगने से बिक्री कई दुकानदारों में बंट गई। खासकर छोटे दुकानदारों को इसका सीधा असर झेलना पड़ा। बड़ी संख्या में प्रतिमाएं बिना बिके रह जाने से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है, जिससे दुकानदार मायूस हैं।

तेंदुआ के सभी अंग साबूत मिले, शिकार की संभावना क्षिण

बाजना के जंगल में मिले तेंदुआ के पीएम में खाली मिला पेट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

रतलाम जिले के बाजना थाना क्षेत्र अंतर्गत मानपुरा के जंगल में रविवार सुबह शरीर के पिछले भाग से गंभीर रूप से घायल एवं कमजोर तेंदुआ मिला था,वन विभाग के अधिकारी उसे उपचार के लिए ले गए थे जहां उसकी मौत हो गई थी। तेंदुआ की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इंस्टेटाईन एवं स्टमक खाली मिला है। उसके शरीर के पिछले हिस्से में चोंट के घाव मिले हैं जिनमें मैगट्स पाए गए हैं।

मुख्य वन संरक्षक उज्जैन डा. किरण बिसेन ने बताया कि सूचना मिलने पर उन्होंने घटनास्थल का अवलोकन किया था। साथ ही उनकी उपस्थिति में ही पशु चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम करने के उपरांत मृत व्यस्क नर तेंदुआ का विभागीय नियम से शव का अंतिम क्रिया करवाई। इस दौरान सामने आया कि उसके दांत एवं नाखून पूरी तरह से साबूत मिले हैं। इससे शिकार की संभावना क्षीण है। इस बात की संभावन बन रही है कि अन्य वन्यजीव से संघर्ष की स्थिति में वह घायल हुआ हो और बाद में शिकार एवं खाने को नहीं मिल पाने के साथ ही शरीर के पिछले भाग में घाव में मैगट्स? होने के कारण कमजोर होता चला गया। डा. बिसेन ने कहा कि पोस्टमार्टम करवाने के बाद भी मृत तेंदुआ के सैंपल

टाक्सीकोलाजी के लिए एकत्रित कर जबलपुर एवं इंदौर फारेंसिक लेब में अलग-अलग भेजे गए हैं। उनके अनुसार रतलाम जिले के जंगल में पूर्व में भी ऐसे मामले सामने आए हैं। ये तेंदुआ जिले के ही रिपोर्टेड तेंदुआ में शामिल रहा हो। उन्होंने कहा कि वैसे तो वन्य जीव में तेंदुआ अपने घावों को चाटकर ठीक कर लेता है लेकिन इस मामले में शरीर के पिछले भाग में ऐसे स्थान पर गंभीर चोंट थी जहां वो ठीक से जुबान से चाटने में सक्षम नहीं रहा जिसके कारण से उसे घाव में मैगट्स हुए।

झांसा देकर ट्रक ले जाने वाला 2 साल बाद पकड़ाया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

झांसा देकर 2 साल पहले ट्रक लेकर गया बदमाश महिदपुर से पकड़ा गया। पुलिस ने ट्रक बरामदगी के लिये रिमांड पर लिया है। बदमाश का एक साथी पूर्व में गिरफ्तार हो चुका था।

नीलगंगा थाना क्षेत्र के कवेलू कारखाने के पास रहने वाले दीपक जाट का ट्रक मई 2024 में महिदपुर के रहने वाले राज डोडिया और प्रकाश परमार एग्रीमेंट पर ले गये थे। दोनों ने फायनेंस की किश्त जमा करने की बात कहीं थी। कुछ माह बाद दीपक को पता चला कि किश्त बकाया हो गई है। उसने दोनों की तलाश शुरू की लेकिन दोनों फरार होना सामने आये, ट्रक भी नहीं मिला। जुलाई 2024 में नीलगंगा थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया गया और कुछ दिनों बाद प्रकाश परमार को गिरफ्तार कर लिया। उसने ट्रक राज डोडिया द्वारा लेकर जाने की बात कहीं। प्रकाश को जेल भेजने के बाद राज की तलाश शुरू की गई, लेकिन वह 2 साल से फरार चल रहा था। थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि फरार आरोपी महिदपुर आया हुआ है। निरीक्षक मनोहर बड़ोदिया की टीम रवाना की गई और ग्राम दुबली से राज डोडिया को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। जिसे कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com